

7

दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 12 अक्टूबर से गोरखपुर में ईवीएम की जांच शुरू

5 चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहा सिपाही श्याम सुंदर विभागीय जांच में दोषी पाया गया

8 वनडे विव कप के लिए कितना तैयार भारत

UPHIN/2023/90814 | वर्ष: 04, अंक: 16 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 12 अक्टूबर, 2026

पुलिस जहां रोके, वही आपका जंतर-मंतर









दिल्ली,एजेंसी

कॉकरोच जनता पार्टी ने दिल्ली के जंतर–मंतर पर देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन का आह्वान किया है। हालांकि दिल्ली पुलिस से उन्हें प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिली है और कल रात से ही पूरी दिल्ली की किलेबंदी हो चुकी है। सीजेपी के 10 अक्टूबर प्रस्तावित प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने कमर कस ली है। अपने पुराने अनुभव से सबक लेते हुए दिल्ली पुलिस ने इस प्रदर्शन को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। एक ओर जहां पुलिस ने एनडीएमसी एरिया की किलेबंदी कर दी है, वहीं राजधानी की हर सीमा पर भी कड़ा पहरा है। दिल्ली आने व दिल्ली से जाने वाली 150 से ज्यादा ट्रेनें रद करने के साथ ही दिल्ली मेट्रो के 45 मेट्रो स्टेशन भी बंद कर दिए गए हैं। इसके साथ तमाम रास्तों और दिल्ली की सीमाओं पर कड़ी पहरेदारी है।





यूपी कैबिनेट के बड़े फैसले

नोएडा एयरपोर्ट का नाम 'नरेंद्र मोदी जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट' करने का प्रस्ताव पारित



लखनऊ,संवाददाता।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक्सप्रेसवे, मेट्रो, आरआरटीएस और हवाई सेवाओं के विस्तार से उत्तर प्रदेश की कनेक्टिविटी मजबूत हुई है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम 'नरेंद्र मोदी जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट' करने का प्रस्ताव पारित किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कैबिनेट की बैठक के बाद प्रेसवार्ता में इसकी जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि अयोध्या में 500 वर्षों का इंतजार खत्म हुआ है। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का निर्माण भी प्रधानमंत्री जैसे साधक की सोच का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विदेश से मां अन्नपूर्णा की मूर्ति वापस लाकर पुनः स्थापित कराना भी प्रधानमंत्री के प्रयासों का महत्वपूर्ण उदाहरण है। उन्होंने बताया कि कैबिनेट ने प्रधानमंत्री के योगदान की मुक्त कंठ से प्रशंसा की है।

2017 के बाद यूपी में विकास को मिली गति

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आत्मीय संबंध है। वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में बुनियादी सुविधाओं का अभाव था, लेकिन डबल इंजन सरकार में उत्तर प्रदेश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने हमेशा उत्तर प्रदेश को प्राथमिकता दी है और प्रदेश सरकार इसके लिए उनकी आभारी है। मुख्यमंत्री के मुताबिक, प्रदेश में एक्सप्रेसवे, हाईवे, क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट सिस्टम ह्यआरआरटीएसह्ण और मेट्रो का संचालन हो रहा है। जेवर में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के विकास सहित हवाई सेवाओं के विस्तार से एयर कनेक्टिविटी मजबूत हुई है।

लॉजिस्टिक हब के रूप में उभर रहा प्रदेश

मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर बुनियादी ढांचे के कारण उत्तर प्रदेश लश्वजिस्टिक हब के रूप में उभरा है। लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण इकाई और पीएम मित्र टेक्सटाइल पार्क जैसी परियोजनाएं औद्योगिक विकास को बढ़ावा दे रही हैं। इससे निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

प्रदेश के लिए यह विशेष गौरव का विषय



कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने खुद इस प्रस्ताव के पारित होने पर कहा कि प्रदेश के लिए यह विशेष गौरव का विषय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसी धरती से लोकप्रिय जनप्रतिनिधि और सांसद के रूप में देश का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने सेवा ही समर्पण और राष्ट्र प्रथम को अपना मूलमंत्र बनाते हुए राष्ट्र निर्माण को सर्वोच्च ध्येय बनाया है। उनकी 25 वर्ष की यात्रा जनकल्याण और जनभागीदारी के माध्यम से जनविश्वास मजबूत करने का उदाहरण है।

गरीबों और किसानों के लिए योजनाओं का उल्लेख

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में गरीबों, वंचितों, पिछड़ों और महिलाओं के उत्थान के लिए कई कदम उठाए गए हैं। उन्होंने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग ईडब्ल्यूएस को 10 प्रतिशत आरक्षण देने के फैसले का भी उल्लेख किया। मुख्यमंत्री के अनुसार, किसानों को एक लाख करोड़ रुपये दिए गए हैं। प्रदेश में 65 लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराने, 3.67 करोड़ राशन कार्डधारकों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ्त खाद्यान्न देने और लाखों परिवारों तक नल से जल पहुंचाने की बात भी उन्होंने कही। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए प्रदेश में 6.08 करोड़ आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं।

विजयादशमी शोभायात्रा

20 अक्तूबर को रामलीला मैदान पहुंचेंगे योगी

गोरखपुर,संवाददाता। 14 अक्तूबर को मंथरा–कैकेई संवाद, दशरथ–कैकेई संवाद और श्रीराम वनवास की लीला होगी। इसी दिन राम की वनयात्रा भी निकलेगी, जो आर्य नगर से बक्शीपुर, हिंदी बाजार, लालडिग्गी, जाफरा बाजार होते हुए आर्य नगर पहुंचेगी। आर्यनगर की रामलीला में इस बार विजयादशमी का आयोजन खास होगा। 20 अक्तूबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शोभायात्रा के साथ मानसरोवर स्थित रामलीला मैदान पहुंचेंगे और भगवान राम का राजतिलक करेंगे। इसके बाद श्रद्धालुओं को आशीर्वचन देंगे। रामलीला समिति, आर्यनगर की ओर से इस वर्ष 109वीं रामलीला का मंचन किया जा रहा है। रामलीला 10 से 23 अक्तूबर तक चलेगी।



कुंभकरण और मेघनाथ वध की होगी लीला

रामलीला समिति के अध्यक्ष पुष्प दंत जैन ने बृहस्पतिवार को प्रेसवार्ता में बताया कि 20 अक्तूबर को शाम चार बजे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भगवान राम का तिलक करेंगे। इसी दिन शाम सात बजे कुंभकरण और मेघनाथ वध की लीला होगी।

सम्पादकीय

सेवा भाव ने बनाया मोदी को सफल नेता

1987 में गुजरात में भीषण सूखे के दौरान मोदी ने न्याय यात्रा की यात्रा ने राहत कार्यों में भ्रष्टाचार उजागर किया, मजदूरों को जागरूक किया मोदी की न्याय यात्रा ने सेवा–आधारित नेतृत्व की नींव रखी

साल 1987 की बात है। राजीव गांधी प्रधानमंत्री थे और राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस का दबदबा था। उस समय भाजपा के लोकसभा में केवल दो सदस्य थे। ऐसे समय में अहमदाबाद के वरिष्ठ पत्रकार किरीटभाई भट्ट ने गुजरात भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश संगठन सचिव नरेन्द्र मोदी से मिलने की इच्छा जताई। हम अहमदाबाद स्थित भाजपा के खानपुर कार्यालय में उनसे मिले। उनसे मिलकर बाहर निकलते समय किरीटभाई ने मुझसे कहा, श्मोदी बहुत आगे जाएंगे। सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों की उन्हें अच्छी समझ है। किरीटभाई वामपंथी विचारों के बावजूद मेरे लिए पत्रकारिता के आदर्श रहे हैं। 1987 के अंत तक देश और गुजरात की राजनीतिक स्थिति बदलने लगी थी। बोफोर्स विवाद से राजीव गांधी सरकार को राजनीतिक नुकसान हुआ। वहीं गुजरात में अमरसिंह चौधरी की सरकार गुटबाजी और जनता में बढ़ते असंतोष से जूझ रही थी। इसी बीच गुजरात में सबसे भीषण सूखा पड़ा। इसकी वजह से पीने का पानी पहुंचाने के लिए ट्रेनों का इस्तेमाल करना पड़ा। चारे की कमी के कारण बड़ी संख्या में मवेशियों की मौत होने लगी।

राज्य के 19 में से 17 जिले सूखे से प्रभावित थे। पशुओं के लिए दूसरे राज्यों से चारा मंगाना पड़ा। करीब सात लाख पशुओं को पशु शिविरों में रखा गया। राहत कार्यों के जरिये करीब 12 लाख मजदूरों को रोजगार देने की योजना थी, पर मजदूरों को मजदूरी समय पर नहीं मिलती थी। राजीव गांधी सरकार ने राहत के लिए करीब 65 करोड़ रुपये मंजूर किए, मगर सवाल था कि क्या यह पैसा वास्तव में दूर–दराज के गांवों तक पहुंच भी रहा है? इसी दौर में मोदी ने 'न्याय यात्रा' का विचार सामने रखा। इस यात्रा के तीन उद्देश्य थे। पहला, यह जांचना कि राहत कार्यों में काम करने वाले मजदूरों को सरकार के निर्देशों के मुताबिक मजदूरी मिल रही है या नहीं। दूसरा था मजदूरों, किसानों और आदिवासी समुदायों को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी देना। तीसरा था भ्रष्टाचार और विसंगतियों से जुड़े सुबूत इकट्ठा कर उन्हें राज्य के अधिकारियों के सामने रखकर समाधान की मांग करना। इस यात्रा में चार रथ थे। हर रथ एक जीप पर बनाया गया था। जीपों को पर्दों से इस तरह तैयार किया गया था कि वे चलती–फिरती सभा के मंच की तरह काम कर सकें। यह मोदी का एक नया प्रयोग था। यह 40 दिन की यात्रा थी, जो गुजरात के चार अलग–अलग कोनों से शुरू हुई–गोधरा, पालनपुर, जामनगर और भुज से। इसका नेतृत्व केशुभाई पटेल, शंकरसिंह वाघेला, सुरेशभाई मेहता और काशीराम राणा/मकरंद देसाई ने किया।

यात्रा 6 दिसंबर को आंबेडकर जी की पुण्यतिथि पर शुरू हुई और 12 जनवरी, 1988 को स्वामी विवेकानंद जी की जयंती तक चली। रथ राहत शिविरों तक जाते और सूखे के दौरान लोगों को उनके अधिकारों के बारे में बताते। इससे कांग्रेस सरकार के खिलाफ लोगों में असंतोष पनपा और यात्रा को जनसमर्थन मिलने लगा। यात्रा के दौरान कार्यकर्ता मजदूरों को मूंगफली, चना और गुड़ बांटते थे। इससे उनमें भरोसा पैदा हुआ। यात्रा के दौरान मोदी पशुओं की स्थिति को लेकर भी चिंतित थे। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं को 'बैलबरास' नाम से पशुओं के लिए शेड बनाने के लिए प्रेरित किया। किसान अपने बैलों को वहां छोड़ गए और सूखा खत्म होने पर बैलों को ले गए और खेती करने लगे।

जब मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री बने, तब भी वह नियमित रूप से पशु स्वास्थ्य शिविर लगवाते थे। इन शिविरों में गायों और भैंसों की आंखों के मोतियाबिंद का भी इलाज किया जाता था। उक्त यात्रा के दौरान सरकार की जो नाकामियां दिखीं, उन्हें सामने लाया गया। इससे सरकार और अधिकारियों पर दबाव बढ़ने लगा। यात्रा का असर यह हुआ कि मजदूर ठेकेदारों और अधिकारियों से अपनी मजदूरी के बारे में सवाल करने लगे। अमरसिंह चौधरी सरकार को भी कार्रवाई करनी पड़ी। इस यात्रा से भाजपा को ग्रामीण इलाकों में अपना आधार मजबूत करने में मदद मिली। उस समय भाजपा को मुख्य रूप से शहरी मध्य वर्ग की पार्टी के रूप में देखा जाता था, लेकिन धीरे–धीरे मजदूरों, किसानों और आदिवासी समुदायों के बीच भी उसका समर्थन बढ़ने लगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि सेवा पर आधारित मोदी के इस माडल ने लोगों के बीच भावनात्मक जुड़ाव बनाने में मदद की। इसी वजह से 1989 के बाद जब मोदी ने संगठनात्मक और बाद में राज्य में प्रशासनिक जिम्मेदारी तथा फिर प्रधानमंत्री के रूप में भूमिका निभाई, तब से भाजपा गुजरात में लोकसभा या विधानसभा का चुनाव नहीं हारी। न्याय यात्रा वास्तव में मोदी के राजनीतिक और सामाजिक सोच का एक खाका थी, जिसकी बुनियाद सार्वजनिक जीवन और राजनीति के माध्यम से लोगों की सेवा पर आधारित थी। इसने यह सुनिश्चित किया कि सरकार की योजनाओं और सुविधाओं का पूरा लाभ उन लोगों तक पहुंचे, जिनके लिए वे हैं। साथ ही उन बिचौलियों को हटाया गया, जो सरकारी धन को बीच में ही रोक लेते हैं या उसका गलत इस्तेमाल करते हैं और नागरिकों को उन्हें मिलने वाले लाभों के बारे में जागरूक किया गया। पिछले 25 वर्षों से यह सोच उनके काम का अभिन्न हिस्सा रही है।

संकट बने दवाओं के मनमाने मूल्य

जब दवाएं आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत आती हैं तो फिर एमआरपी की छद्म–आधारित मूल्य व्यवस्था क्यों ही बनी हुई है?

हाल में सर्वोच्च न्यायालय ने कैंसर की दवाओं की एमआरपी (अधिकतम खुदरा मूल्य) और सरकारी खरीद मूल्य के बीच बड़े अंतर को अजूबा करार दिया। यह अंतर 10 गुना से भी ज्यादा है। 2,700 रुपये की खुदरा बिक्री मूल्य वाली कैंसर की दवा पर एमआरपी 27,000 रुपये अंकित होने पर सुप्रीम कोर्ट ने पहले तो इसे 'दिन–दहाड़ेश डकैती कहा और फिर अगली सुनवाई में इस भारी अंतर को दो टूक शब्दों में 'कत्लेआमश यानी 'सामूहिक–संहारश तक कहने में संकोच नहीं किया। दवा कारोबारी, निजी अस्पतालों और सरकारी अस्पतालों में दवाओं की खरीद करने वाले जिम्मेदारों के लिए इससे तीखी टिप्पणी और कोई हो नहीं सकती। अदालत ने यह सवाल भी खड़ा किया कि इतना पैसा कहां जा रहा है और फायदा किसे हो रहा है? यह टिप्पणी सीधे–सीधे फार्मा कंपनियों, निजी अस्पतालों के मालिकों एवं चिकित्सक तथा सरकारी खरीद में लिप्त जिम्मेदारों का संवेदनहीन चेहरा सामने लाती है। यह विडंबना तब है, जब केंद्र सरकार एक दवा, एक मूल्य और एक गुणवत्ता नीति से जुड़ा कानून फरवरी 2025 में पूरे देश में लागू कर चुकी है। इस नियम के तहत दवा विक्रेताओं और ई–फार्मेसी को दवाओं की मूल्य–सूची को सार्वजनिक रूप से दिखाना अनिवार्य है, ताकि रोगियों को तय दामों पर ही उचित गुणवत्ता की मानक दवाएं मिल सकें, परंतु शीर्ष न्यायालय की इस तीखी प्रतिक्रिया से साफ है कि दवा विक्रेताओं और सरकारी दवा खरीद से जुड़े अधिकारियों ने इस कानून को बट्टे खाते में डाल दिया है। अधिकांश कारपोरेट अस्पताल अब सेवा नहीं उद्योग बन गए हैं। ये अस्पताल के भीतर स्थित मेडिकल स्टोर से ही दवा खरीदने के लिए मजबूर करते हैं। यदि कोई रोगी बाहर से दवा लाने को कहता है तो उपचार की जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेने की बात कहते हैं। जबकि इनमें से ज्यादातर अस्पताल आयुष्मान भारत और अन्य सरकारी लाभदायी स्वास्थ्य योजनाओं के तहत भी उपचार करते हैं यानी दवा उत्पादकों और अस्पतालों की मनमानी कानून अस्तित्व में आने के बाद भी बनी हुई है। जब दवाएं आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत आती हैं तो एमआरपी की छद्म–आधारित मूल्य व्यवस्था क्यों बनी हुई है?

कुछ समय पहले कंपनी मामलों के मंत्रालय की एक सर्वे रिपोर्ट ने सरकार को आगाह किया था कि दवाएं आम आदमी की पहुंच से जानबूझकर बाहर की जा रही हैं। इस रिपोर्ट ने बताया था कि दवाओं की महंगाई का कारण दवा में लगने वाली सामग्री का महंगा होना नहीं है, बल्कि दवा कंपनियों के मुनाफे का लालच है। इस लालच के चलते कंपनियां राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) के नियमों का भी पालन नहीं करती हैं और दवाओं की कीमत कई गुना तक अधिक रख देती हैं। यहां तक कि नामी–गिरामी दवा कंपनियां भी दो सौ से पांच सौ गुना ज्यादा कीमत अपने दवा उत्पादों की रख रही हैं। महंगी दवा सरकारी अस्पतालों में भ्रष्टाचार के बूते खपाई जाती हैं। इसके पहले नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने भी देसी–विदेशी दवा कंपनियों पर सवाल उठाते हुए कहा था कि इन कंपनियों ने सरकार द्वारा उपलब्ध उत्पाद शुल्क में छूट का लाभ तो लिया, लेकिन दवाओं की कीमतों में कटौती नहीं की?

यह गोलमाल प्रत्यक्ष रूप से ग्राहकों के साथ तो हो ही रहा है, अप्रत्यक्ष रूप से सरकार के साथ राजस्व सेंध के रूप में भी हो रहा है। इसे लेकर कैग ने सरकार को दवा मूल्य नियंत्रण अधिनियम में संशोधन का सुझाव दिया था। ऐसे ही सुझावों को मानते हुए सरकार ने देशभर में फैले सीजीएचएस (केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना) के 1,200 अस्पतालों, 200 जांच केंद्रों, 500 वेलनेस सेंटर और 8,000 से अधिक जन–औषधि केंद्रों पर एक दवा, एक मूल्य लागू करने का ऐतिहासिक फैसला लिया है। हालांकि इस योजना पर प्रभावी अमल की दृष्टि से सरकार को मजबूत और पारदर्शी नेटवर्क बनाना होगा, जिसके लिए प्रभावी डाटा भी जरूरी है। दवा वितरण में बोली के आधार पर भागीदारी करने वाले विक्रेताओं की तकनीकी योग्यता से कहीं ज्यादा ईमानदारी के मानदंडों की जरूरत है। दवा क्रय समिति को भी उन दवाओं को खरीदने की जरूरत है, जो उपचार में प्रभावी और कीमत में सस्ती हों, क्योंकि अंततः सरकार का उद्देश्य आम आदमी को सस्ती, असरकारी और गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराना ही है।

चूंकि देश में सार्वजनिक स्वास्थ्य राज्यों के अधिकार क्षेत्र में है, इसलिए उन्हें भी यदि इस योजना में भागीदार बनाया जाए तो दवा वितरण के साथ ही लाभार्थी रोगियों का दायरा भी बढ़ जाएगा। चिकित्सा का व्यवसाय जीवन रक्षा का पेशा है। वह मनुष्यता की संवेदना की सुरक्षा का नैतिक व्यवसाय है। लाचार मरीज चिकित्सक के पास स्वास्थ्य लाभ लेने की उम्मीद से जाता है, न कि दवा उद्योग के लालच को बढ़ाने की दृष्टि से? किंतु पैसा कमाने की अनैतिक होड़ का ही परिणाम है कि रोगी अब चिकित्सक को धरती का भगवान मानने से हिचक रहा है। इस अविश्वास के चलते ही अस्पतालों में चिकित्सक और रोगियों के परिजनों के बीच निरंतर मारपीट और ज्यादा धन वसूलने के विवाद सामने आ रहे हैं। इस परिप्रेक्ष्य में शीर्ष न्यायालय की डकैती और सामूहिक संहार जैसी टिप्पणियों को बेवजह की प्रतिक्रिया नहीं कहा जा सकता है।

संस्थाओं की साख पर निशाना

उत्तर प्रदेश और पंजाब समेत पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की औपचारिक घोषणा में अभी देर है, लेकिन सियासी मोर्चेबंदी तेज होती जा रही है। विपक्षी दलों के मोर्चे आईएनडीआईए को लगता है कि जिस तरह बीते लोकसभा चुनावों में 'संविधान रक्षा' का उसका दांव किंचित सफल रहा था, उसकी तुलना में एसआईआर का विरोध उसके लिए कहीं ज्यादा कारगर साबित हो सकता है। एसआईआर और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ उसका धरना–प्रदर्शन उसके इसी सोच का प्रतीक है। विपक्षी गठबंधन को लगता है कि एसआईआर उसके लिए ऐसा सियासी हथियार साबित होगा, जिसके जरिये वह भाजपा को हरा सकता है। विपक्षी गठबंधन का यह मंसूबा कितना सफल होगा, यह बाद में पता चलेगा, लेकिन एसआईआर के बहाने विपक्ष जो राजनीतिक उठापटक कर रहा है, उसकी असलियत को जानना–समझना जरूरी हो जाता है। यह पहला मौका नहीं है जब चुनाव में पराजित राजनीतिक दलों ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाया हो। 1971 के आम चुनाव में हार के बाद भारतीय जनसंघ के प्रमुख बलराज मधोक ने रूसी स्याही के जरिये चुनावी फर्जीवाड़े का आरोप लगाया था। हालांकि पहले राजनीतिक दल कम से कम इस तथ्य का ध्यान रखते थे कि संस्था के रूप में चुनाव आयोग की साख कमजोर न हो।

केंद्र में नरेन्द्र मोदी के उभार के बाद करीब हर चुनाव में हार रहे दल चुनाव आयोग पर सवाल तो उठा ही रहे हैं, साथ ही उसकी साख पर भी आघात कर रहे हैं। 2014 की चुनावी हार के समय विपक्षी दल सकते में रहे, इसलिए तब चुनाव आयोग के खिलाफ सवाल नहीं उठे। अलबत्ता इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीनों यानी ईवीएम को हैक करने का शिगूफा छेड़ा जाने लगा।

इसे कांग्रेस की अगुआई में लगभग समूचे विपक्षी दलों ने हवा दी। विपक्षी दलों के इस कोरस गान में वामपंथी वैचारिकी ने भरपूर सहयोग दिया। ईवीएम को हैक करने को लेकर हास्यास्पद दावे तक किए गए। हारकर चुनाव आयोग को ईवीएम हैक करने के लिए सार्वजनिक चुनौती देनी पड़ी, जिसका किसी के पास कोई जवाब नहीं था। फिर भी एक के बाद एक चुनावों में भाजपा की जीत पर ईवीएम को घेरा जाता रहा। हालांकि जब 2015 के बिहार, 2020 के दिल्ली, 2016 और 2021 के बंगाल विधानसभा चुनावों में भाजपा तमाम कोशिशों के बावजूद हार गई, तब कोई हंगामा नहीं हुआ। देश की राजनीति जिस पड़ाव पर है, उसमें विरोधियों की साख को हवा में उछालना बड़ा कार्य मान लिया गया है। जैसे अगर किसी चुनाव में भाजपा को जीत मिलती है तो विपक्षियों का तर्क होता है कि चुनाव आयोग ने ईवीएम में हेराफेरी करके उसे जिता दिया। वहीं भाजपा जब हार जाती है तो यही विपक्षी खेमा जीत का जश्न मनाते हुए कहता है कि भाजपा जानबूझकर चुनाव हार गई। बंगाल में भाजपा की जीत विपक्ष को पच नहीं रही, लेकिन केरल और तमिलनाडु में अपनी जीत में उसे कोई खराबी नहीं दिखती। वास्तविकता यह है कि विपक्षी खेमा हार के पीछे अपनी नीतियों की नाकामी और अपने अनाचार को जिम्मेदार नहीं मानता। उलटे चुनाव आयोग और ईवीएम पर ही ठीकरा फोड़ता रहता है। राहुल गांधी के नेतृत्व वाले विपक्षी खेमे की नजर में मोदी तानाशाह हैं, लेकिन उन्हीं को संसद से लेकर सड़क तक अपशब्दों से भी नवाजने से ये दल नहीं चूकते। जुलाई में जंतर–मंतर पर हुए काकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शनों के दौरान मोदी के लिए जिन अश्लील अपशब्दों की जो बौछार हुई, विपक्षी खेमा उन पर लहालोट नजर आया। सवाल यह है कि ऐसा कौन–सा तानाशाह होगा, जिसे ऐसी गालियां खुलेआम दी जा सकती हैं? और वह गालीबाजों को दंडित करने के बजाय उन्हें क्षमा कर दे। जहां तक ज्ञानेश कुमार की बात है तो वह उसी केरल कैडर के आईएएस अधिकारी रहे हैं, जहां समय–समय पर कांग्रेस–वाम दलों की सरकारें रही हैं।

जाहिर है कि राज्य में काम करते वक्त उनका रिश्ता वामपंथी और कांग्रेसी नेताओं से भी रहा होगा। दोनों भले ही राज्य में विरोधी हों, लेकिन राष्ट्रीय राजनीति में दोनों खेमों के साझा दुश्मन मोदी और भाजपा हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि गृह मंत्रालय में सेवा के दौरान अनुच्छेद 370 की समाप्ति में ज्ञानेश कुमार की भूमिका और समान नागरिक संहिता के लिए जमीन तैयार करने जैसे कार्यों के चलते भी वे विपक्षी दलों की आंखों की किरकिरी बन चुके हैं। यह पहला मौका नहीं है जब किसी लोकतांत्रिक संस्था को साखहीन साबित करने के लिए विपक्षी खेमे ने अपने घोड़े नहीं खोले। मोदी के सत्ता में आने के साढ़े तीन साल बाद न्यायपालिका को उनकी सरकार के इशारों पर नाचने वाला बताने की कोशिशें खूब हुईं। सीबीआई से लेकर ईडी की कार्रवाइयों को भी राजनीति से प्रेरित बताया जाता। चाहे ऐसी कार्रवाई खूंखार अपराधियों, आतंकियों और जालसाजों के खिलाफ क्यों न हो। किसी अल्पसंख्यक अपराधी के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई कर दी, तो उसे सांप्रदायिक नजरिये से देखने और दिखाने का प्रपंच किया जाता। यहां तक कि विपक्षी दल जून 2020 में गलवन घाटी में भारतीय और चीनी सेना के बीच संघर्ष में भी भारतीय सैन्य बलों को कमजोर दिखाने से बाज नहीं आए।

12 अक्टूबर से गोरखपुर में ईवीएम की जांच शुरू

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि करेंगे पूरी प्रक्रिया की निगरानी

संवाददाता, गोरखपुर। विधानसभा सामान्य निर्वाचन–2027 की तैयारियों के तहत जिले में इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की प्रथम स्तरीय जांच (एफएलसी) 12 अक्टूबर से शुरू होगी। यह प्रक्रिया मण्डलीय राजस्व प्रशिक्षण विद्यालय, असुरन स्थित ईवीएम वेयरहाउस के हाल में पूरी की जाएगी। जांच के दौरान राजनीतिक दलों के अधिकृत प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे, ताकि पूरी प्रक्रिया की निगरानी की जा सके।

डीएम एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक मीणा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में हुई मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्यीय राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों व प्रतिनिधियों की बैठक में उन्हें जांच प्रक्रिया से जुड़ी सभी जानकारी दी गई। बताया गया कि पुराना



कलेक्ट्रेट स्थित ईवीएम वेयरहाउस से बैलेट यूनिट (बीयू), कंट्रोल यूनिट (सीयू) और वीवीपैट मशीनों को सशस्त्र पुलिस बल की निगरानी में असुरन स्थित वेयरहाउस पहुंचाया जा रहा है। इस दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे।

निर्माता कंपनी के इंजीनियर करेंगे जांच

प्रथम स्तरीय जांच निर्वाचन आयोग के दिशा–निर्देशों के अनुरूप ईवीएम निर्माता कंपनी के इंजीनियरों की ओर से की जाएगी। पूरी प्रक्रिया एफएलसी सुपरवाइजर एवं अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) जयप्रकाश की निगरानी में संपन्न होगी।

इसमें राजनीतिक दलों के अधिकृत प्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों से अपने जिलाध्यक्ष के हस्ताक्षर से अधिकृत प्रतिनिधियों का नाम, पदनाम, पता और मोबाइल नंबर उपलब्ध कराने को कहा है। प्रत्येक प्रतिनिधि के दो पासपोर्ट आकार के रंगीन फोटो भी देने होंगे।

यह विवरण शुक्रवार की सुबह 10 बजे तक जिला निर्वाचन कार्यालय में जमा करना अनिवार्य है।

किसानों की सुविधा और स्वच्छता पर योगी सरकार का फोकस

मंडियों में सफाई से लेकर जल निकासी तक होंगे पुख्ता इंतजाम

राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद ने स्वच्छ मंडी–शुभ मंडी अभियान–2026 शुरू किया

अक्टूबर 2026 तक मंडियों में व्यापक साफ–सफाई, नालियों व शौचालयों पर जोर

धान की आवक हेतु यातायात और जल निकासी व्यवस्था सुदृढ़ की जाएगी

गोरखपुर,संवाददाता। योगी सरकार में उत्तर प्रदेश की कृषि उत्पादन मंडियों में साफ–सफाई की व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा किसानों को स्वच्छ एवं बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद के निदेशक जितेंद्र प्रताप सिंह ने 'स्वच्छ मंडी–शुभ मंडी अभियान–2026' संचालित करने का निर्देश दिया है। राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद ने अक्टूबर, 2026 में प्रदेश की सभी मंडी एवं उपमंडी स्थलों पर व्यापक स्तर पर विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। इस अभियान के तहत मंडी परिसरों में जमा कूड़े, बंद नालियों, जलभराव वाले स्थानों, शौचालयों, नीलामी चबूतरों, दुकानों और किसान विश्राम गृहों की साफ–सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

सभी मंडियों में युद्धस्तर पर होगी साफ–सफाई

इस अभियान के दौरान मंडी समितियों के अनुबंधित सफाई ठेकेदारों को अपने सभी सफाई कर्मियों को लगाकर युद्धस्तर पर सफाई कार्य कराने के निर्देश दिए गए हैं। मंडी परिसर के प्रत्येक हिस्से की सफाई सुनिश्चित की जाएगी। विशेष रूप से नालियों में फंसे अपशिष्ट तथा पानी जमा होने वाले स्थानों को चिह्नित कर उनकी सफाई कराई जाएगी।

धान की आवक को देखते हुए यातायात व्यवस्था पर विशेष जोर

अक्टूबर माह में धान और अन्य कृषि उत्पादों की अधिक आवक तथा आगामी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए मंडियों में यातायात और परिवहन व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने पर भी जोर दिया गया है।

नीलामी चबूतरों, दुकानों और नालियों पर ज्यादा ध्यान

इस अभियान के अंतर्गत मंडी परिसर में स्थित नीलामी चबूतरों के आसपास की नालियों में जमा कूड़े को हटाने तथा चबूतरों और उनसे संबंधित संरचनाओं की सफाई कराने के निर्देश दिए गए हैं। जिन स्थानों पर नमी रहती है, वहां कूड़ा हटाने के बाद निर्देशानुसार चूना पाउडर अथवा गैमक्सीन का छिड़काव कराया जाएगा।

शौचालयों और किसान विश्राम गृहों में सुविधाओं पर रहेगा ध्यान

मंडी परिसरों में बने शौचालयों, प्रसाधनों और यूरिनल की सफाई के साथ जलापूर्ति एवं जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। शौचालयों के आसपास जलभराव वाले स्थानों की विशेष सफाई कर वहां नियमित रूप से चूने का छिड़काव कराया जाएगा। कार्यालय भवनों और किसान विश्राम गृहों की साफ–सफाई तथा आवश्यक साज–सज्जा पर भी ध्यान दिया जाएगा। मंडी परिसरों में जहां नए सिविल, विद्युत अथवा मरम्मत संबंधी कार्य चल रहे हैं, उन स्थलों को अलग से चिह्नित किया जाएगा। निर्माण कार्य के बाद बची अनुपयोगी सामग्री और मलबे को भी अभियान के दौरान हटवाने के निर्देश दिए गए हैं।

गोरखपुर में सात साल पहले भी दौड़ा था 308 पहियों वाला ट्रक

संवाददाता, गोरखपुर। सात साल बाद एक बार फिर 308 पहियों वाला महा ट्रक गोरखपुर में आया है। वर्ष 2019–20 में यह तब आया था, जब खाद कारखाना के लिए टर्बाइन मंगाया गया था। बिहार से 10 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से आया महाबली जिस सड़क से गुजरा वहां लोगों के कौतूहल के केंद्र में रहा। तब पहली बार लोगों ने इतने पहियों का ट्रेलर देखा था तो दांतों तले उंगलियां दबा ली थी।

दरअसल, खाद कारखाना का शिलान्यास वर्ष 2016 और उद्घाटन सात दिसंबर 2021 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था। खाद कारखाना के लिए टर्बाइन समेत अन्य महत्वपूर्ण उपकरणों को वर्ष 2019–20 में मंगाया गया था। यह उपकरण इतने लंबे, चौड़े और ऊंचे थे कि इनको आसानी से लेकर आना संभव नहीं था। इसके बाद कुशीनगर से लगायत गोरखपुर तक कहीं सड़क को चौड़ा किया गया तो कहीं पुल के बगल में अस्थाई निर्माण कराया गया। महानगर में जब उपकरण लेकर ट्रेलर पहुंचा तो बिजली निगम को भी जिम्मेदारी दी गई। बिजली निगम के अभियंताओं ने पूरे रूट का सर्वे किया और जरूरत के अनुसार कहीं तार हटवाया गया तो कहीं पोल शिफ्ट कराया गया। रास्ते में पेड़ की डाल को काटने की जिम्मेदारी वन विभाग को सौंपी गई थी। खाद कारखाना तक रूट सही करने के बाद भी प्रशासन को कोई रिस्क नहीं लेना चाहता था, इसलिए टर्बाइन लेकर आगे बढ़ रहे ट्रेलर की गति महानगर में सिर्फ तीन किलोमीटर प्रति घंटे रखी गई थी। ट्रेलर के साथ सैकड़ों अभियंता व कर्मचारी, पुलिस के जवान पैदल चलकर रूट को सही कराने में जुटे थे। खाद कारखाना तक की सड़क को भी मजबूत किया गया। जब उपकरण परिसर में पहुंच गए तब सभी ने राहत की सांस ली।

हवा में तैरते प्रतिबंधित मांझे ने ली युवक की जान

गोरखपुर में दो बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

प्रतिबंधित मांझे से मोपेड सवार रमेश कन्नौजिया की मौत।

गोरखपुर में गर्दन कटने से हुई दर्दनाक घटना।

मृतक के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूटा।





संवाददाता, गोरखपुर। प्रतिबंधित मांझे की चपेट में आने से शनिवार दोपहर मोपेड सवार रमेश कन्नौजिया (35) की मौत हो गई। रास्ते में उनकी गर्दन में मांझा फंस गया, जिससे गर्दन कट गई और वह लहूलुहान होकर गिर पड़े।

गंभीर हालत में उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। तिवारीपुर क्षेत्र के सूरजकुंड निवासी रमेश शनिवार दोपहर करीब एक बजे मोपेड से जा रहे थे।

इसी दौरान प्रतिबंधित मांझा उनकी गर्दन में फंस गया। धारदार मांझे से गर्दन कटने के कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सक उनकी जान नहीं बचा सके।

रमेश माधोपुर न्यू कालोनी में पत्नी पूर्णिमा और दो बच्चों के साथ रहते थे। उनकी 11 वर्षीय बेटी अपर्णा और सात वर्षीय बेटा आर्यन है। रमेश की अचानक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

रमेश घंटाघर स्थित केडिया की कॉस्मेटिक फर्म में काम करते थे। तीन भाइयों में वह दूसरे नंबर पर थे। बड़े भाई बबलू अलग रहते हैं, जबकि छोटा भाई महेश उनके साथ रहता है और निजी काम करता है। रमेश के पिता फकीरे और मां मुन्नी देवी घसीकटरा में रहते हैं। माता–पिता की देखभाल की जिम्मेदारी भी रमेश ही संभालते थे। उनकी मौत से पत्नी और बच्चों के साथ बुजुर्ग माता–पिता भी बेसहारा हो गए हैं।

गोरखपुर में देवरिया बाईपास का काम अधूरा डांट-फटकार और डेडलाइन भी बेअसर

गोरखपुर में देवरिया बाईपास का निर्माण कार्य निर्धारित समय के बाद भी अधूरा है, जिससे लोगों को परेशानी हो रही ...

संवाददाता, गोरखपुर। अधिकारियों की डांट–फटकार, कई बार डेडलाइन निर्धारण के बाद भी देवरिया बाईपास का काम अब भी अधूरा है। कहीं सड़क पर पोल हटाए नहीं गए हैं तो कहीं डक्ट में भूमिगत केबल के ऊपर ट्रेंच गिरे पड़े हैं। केबल पानी में बिछे हैं। सड़क अधूरी है। खोराबार में मेडिसिटी के सामने अभी काम पूरी नहीं हो पा रहा है। नाला का स्लैब कहीं ऊंचा है तो कहीं काफी नीचे है। ऐसे में फुटपाथ पर चलने वाले बुजुर्गों, बच्चों व महिलाओं को दिक्कत होनी तय है। दैनिक जागरण ने शुक्रवार को देवरिया बाईपास फोरलेन के कार्यों की पड़ताल की। सूबा बाजार की तरफ से अभी किनारे की तरफ सड़क बनाई जा रही है।

यानी सड़क अब भी अधूरी है। डिवाइडर पर रेलिंग लगा दी गई है लेकिन सिक्टौर की तरफ बढ़ने पर सड़क पर पोल हैरान कर रहे हैं। कुछ पोल पर अब भी 11 हजार वोल्ट की लाइन के तार हैं तो कुछ पोल बिना तार के ही खड़े हैं। बगल में गुजर रहे नाले के डक्ट मे गंदे पानी के नीचे केबल बमुश्किल दिख रही है। व्यवस्था यह है कि केबल ट्रेंच पर बिछाए जाएंगे लेकिन ज्यादातर जगहों पर केबल डक्ट के फर्श पर हैं और उसके ऊपर लोहे के ट्रेंच गिरे हुए हैं। कुछ जगहों पर तो ट्रेंच ही गायब हो चुके हैं। आसपास के लोगों का कहना है कि ट्रेंच के लोहे के



एंगल पर चोरों की निगाह गड़ गई है। आए दिन चोरी हो रही है। इस संबंध में लोक निर्माण विभाग में प्रांतीय खंड के अधिशासी अभियंता आरपी सिंह को फोन किया गया लेकिन उन्होंने काल नहीं रिसीव की। वाट्सएप पर पूछे गए सवालों का भी उन्होंने जवाब नहीं दिया।

पिछले साल ही पूरा होना था निर्माण

देवरिया बाईपास का निर्माण पिछले साल मई में पूरा हो जाना चाहिए था लेकिन अब तक काम चल ही रहा है। रुस्तमपुर के पास देवरिया बाईपास पर नाला का काम भी देर से शुरू होने के कारण भी काम प्रभावित हुआ। सूबा बाजार से सिक्टौर की तरफ बढ़ने पर सड़क के किनारे के हिस्से कई जगह पर अधूरे मिले। नाले पर रखे गए स्लैब भी बेतरतीब मिले। कई जगहों पर नाले में ही बिजली के पोल हैं। इन पोल के कारण नाला पर स्लैब नहीं लग पा रहा है। इस कारण हमेशा हादसे की आशंका बनी हुई है।

नाला अभी अधूरा

गंगा रिजार्ट के पास गहरा नाला अभी अधूरा है। यहां पुल की रेलिंग बनाकर उस पर पेंटिंग भी करा दी गई है लेकिन नाले का पानी निकालने को लेकर अभी योजना बन रही है। सहारा एस्टेट के पास पुल की रेलिंग पर ट्रेंच लगाकर बिजली के केबल गुजारे गए हैं। लोगों का कहना है कि ट्रेंच पुल के निचले हिस्से से गुजारे जाने चाहिए थे लेकिन जल्दबाजी में इसे ऊपर कर दिया गया है।

बिजली की समस्या जस की तस

खोराबार में 220 केवी क्षमता का पारेषण उपकेंद्र तकरीबन तीन वर्ष से बनकर तैयार है। इस पारेषण उपकेंद्र से महानगर के सात वितरण उपकेंद्रों को बिजली मिलनी है लेकिन केबल न बिछाए जाने के कारण इस काम में भी देर हो रही है। इसका खामियाजा बिजली उपभोक्ताओं को भुगतना पड़ रहा है। खोराबार पारेषण उपकेंद्र से बिजली मिलने के बाद मोहद्दीपुर पारेषण उपकेंद्र का भार भी कम होगा।

गोरखपुर में बारिश के बाद बादलों ने रोकी धूप

ठंड ने दी दस्तक

गोरखपुर में गरज–चमक के साथ हुई दो बार वर्षा। अधिकतम तापमान में पांच डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज। अगले दो दिन भी वर्षा और ठंडक बने रहने की संभावना।



संवाददाता, गोरखपुर। दो दिन पहले से बदला मौसम का रुख तीसरे दिन बुधवार को भी जारी रहा। सुबह से आसमान में बादल डेरा डाले रहे और दोपहर व शाम को गरज–चमक के साथ दो बार वर्षा हुई। इससे गर्मी पर ब्रेक लग रहा और दो दिन से जारी तापमान में गिरावट का सिलसिला आगे बढ़ा। तीन दिन में अधिकतम तापमान पांच डिग्री सेल्सियस गिरकर 30.7 के आंकड़े तक पहुंच गया। न्यूनतम तापमान 22.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड हुआ। बादलों की छांव और वर्षा के कारण दिन में गर्मी पिछले पांव पर नजर आई। रात में भी ठंडक बढ़ी। आर्द्रता 81 से 92 प्रतिशत रहने से लोगों को रिकार्ड तापमान से भी कम की गर्मी का अहसास हुआ। हवा का साथ पाकर भी मौसम ने गर्मी को पीछे धकेला।



पहले राखी ने गाया लालू जी बड़ा दुख...



मौसम विज्ञानी कैलाश पांडेय के अनुसार पश्चिमोत्तर भारत में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से मौसम में यह बदलाव आया है। अगले दो दिन भी इसका असर बना रहेगा। आसमान में बादल छाए रहेंगे और कुछ स्थानों पर छिटपुट वर्षा हो सकती है। अधिकतम तापमान 30 और न्यूनतम 20 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। धूप कमजोर रहने से गमह्न से राहत मिलने और ठंडक बढ़ने का सिलसिला जारी रहेगा।

एसएससी सीएचएसएल 2025 का अंतिम परिणाम जारी

3515 अभ्यर्थियों का चयन

प्रयागराज,संवाददाता। कर्मचारी चयन आयोग ने संयुक्त उच्चतर माध्यमिक स्तर परीक्षा 2025 का अंतिम परिणाम जारी कर दिया है। परीक्षा के तहत 3522 घोषित रिक्तियों के सापेक्ष 3515 अभ्यर्थियों को अंतिम रूप से अनुशंसित किया गया है। परिणाम में 2260 अभ्यर्थियों ने पूर्व आवंटित पद पर स्थिर रहने का विकल्प चुना, जबकि 927 ने पद परिवर्तन का विकल्प लिया। अनुपस्थित अभ्यर्थियों के कारण रिक्त हुए पदों पर 328 अभ्यर्थियों को नया आवंटन दिया गया है। कर्मचारी चयन आयोग ने संयुक्त उच्चतर माध्यमिक (10+2) स्तर परीक्षा 2025 का अंतिम परिणाम जारी कर दिया है। आयोग की ओर से जारी परिणाम विवरण के अनुसार कुल 3522 रिक्तियों के सापेक्ष 3515 अभ्यर्थियों को अंतिम रूप से अनुशंसित किया गया है। श्रेणीवार आंकड़ों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के 337, अनुसूचित जाति के 487, अनुसूचित जनजाति के 251, अन्य पिछड़ा वर्ग के 766 और अनारक्षित वर्ग के 1674 अभ्यर्थी शामिल हैं।

आयोग के अनुसार पद आवंटन अभ्यर्थियों की योग्यता, पद वरीयता और सत्यापन प्रक्रिया के दौरान चुने गए स्थिर अथवा परिवर्तन विकल्प के आधार पर किया गया। कुल 3515 अभ्यर्थियों में 2260 ने स्थिर आवंटन का विकल्प चुना, जबकि 927 ने परिवर्तन का विकल्प चुना।

इसके अलावा सत्यापन प्रक्रिया में अनुपस्थित रहने वाले अभ्यर्थियों के कारण खाली हुए पदों पर 328 अभ्यर्थियों को नया आवंटन किया गया।

अनुपस्थित अभ्यर्थियों का परिणाम में विचार नहीं

आयोग ने स्पष्ट किया है कि जो अभ्यर्थी निर्धारित प्रक्रिया में शारीरिक रूप से शामिल नहीं हुए, उन्हें अनुपस्थित माना गया और अंतिम परिणाम में उनके नाम पर विचार नहीं किया गया। इससे बनी रिक्तियों के आधार पर नए अभ्यर्थियों को पद आवंटित किए गए।

तीन अभ्यर्थियों का परिणाम रोका गया

आयोग ने तीन अभ्यर्थियों का परिणाम फिलहाल रोक दिया है। अंतिम परिणाम में शामिल अभ्यर्थियों को नए क्रमांक भी आवंटित किए गए हैं, जो पहले जारी अस्थायी आवंटन में दिए गए क्रमांकों की जगह मान्य होंगे।

अब होगी दस्तावेज सत्यापन और नियुक्ति की प्रक्रिया

अंतिम परिणाम घोषित होने के बाद चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेज सत्यापन और नियुक्ति से जुड़ी आगे की प्रक्रिया संबंधित विभागों की ओर से पूरी की जाएगी। आयोग ने कहा है कि यदि अंतिम परिणाम जारी होने के छह महीने के भीतर संबंधित विभाग से कोई पत्राचार प्राप्त नहीं होता है तो अभ्यर्थी को संबंधित विभाग से संपर्क करना होगा। कर्मचारी चयन आयोग ने स्पष्ट किया है कि इस परीक्षा के लिए कोई आरक्षित अथवा प्रतीक्षा सूची तैयार नहीं की गई है। अंतिम परिणाम में खाली रह जाने वाले पद और चयनित अभ्यर्थियों के कार्यभार ग्रहण नहीं करने से उत्पन्न रिक्तियां संबंधित विभागों की ओर से अगले वर्षों में आगे बढ़ाई जाएंगी।

विस्तृत अंक बाद में होंगे जारी

आयोग के अनुसार चयनित और गैर–चयनित अभ्यर्थियों के विस्तृत अंक तथा अंतिम उत्तर कुंजी बाद में आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी। परिणाम संबंधी अधिसूचना पर 7 अक्तूबर 2026 की तारीख दर्ज है।

कस्टम चोरी–आलू के बोरों में छिपाकर नेपाल ले जाए जा रहे थे 12 मोबाइल फोन

भारतीय नागरिक गिरफ्तार

सिद्धार्थनगर,संवाददाता। बिहार के सीतामढ़ी जिले के असोगी गांव वार्ड नंबर चार निवासी 41 वर्षीय अमरनाथ चौधरी को गिरफ्तार किया गया है। उसे बरामद मोबाइल फोन के साथ जरूरी कानूनी कार्रवाई के लिए गौर कस्टम कार्यालय, रौतहट को सौंपा गया है। भारत से नेपाल कस्टम चोरी कर मोबाइल ले जाने का नया तरीका सामने आया है। नेपाल के रौतहट जिले में पुलिस ने यात्री टाटा सूमो की छत पर रखे आलू के बोरों में छिपाकर ले जाए जा रहे 12 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। मामले में भारत के सीतामढ़ी जिले के एक नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। बरामद मोबाइल की अनुमानित कीमत करीब दो लाख रुपये बताई गई है।

टाटा सूमो की छत पर रखकर ले जाए जा रहे थे आलू के बोरे

जिला पुलिस कार्यालय रौतहट की बॉर्डर एक्शन टीम और कस्टम सिक्योरिटी गार्ड की संयुक्त टीम ने सोमवार को मिली विशेष सूचना के आधार पर गौर नगरपालिका–1 स्थित कस्टम कार्यालय के गेट के सामने जांच शुरू की। इसी दौरान यात्री टाटा सूमो को रोककर तलाशी ली गई। पुलिस के मुताबिक वाहन की छत पर रखे आलू के बोरों की जांच करने पर उनके अंदर छिपाकर रखे गए 12 मोबाइल फोन बरामद हुए। जिला पुलिस प्रवक्ता डीएसपी बसंत गौतम के अनुसार, मोबाइल फोन भारत से नेपाल कस्टम को चकमा देकर ले जाए जा रहे थे। पुलिस ने बिहार के सीतामढ़ी जिले के असोगी गांव वार्ड नंबर चार निवासी 41 वर्षीय अमरनाथ चौधरी को मोबाइल फोन के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने बरामद मोबाइल फोन और गिरफ्तार व्यक्ति को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए गौर कस्टम कार्यालय, रौतहट को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार मामले में कस्टम कानून के तहत आगे की कार्रवाई की जा रही है।

वीडियो एडिटिंग के जरिए कैंप को उड़ाते दिखाया एलर्ट मोड पर आई सुरक्षा एजेंसियां

महाराजगंज,संवाददाता। परसामलिक पुलिस और एसएसबी के उच्च अधिकारियों के संज्ञान में आने के बाद युवक की शिनाख्त कर विधिक कार्रवाई की गई। स्थानीय पुलिस ने बुधवार को फैयाज अहमद नामक एक युवक को गिरफ्तार कर शांति भंग में चालान कर दिया। युवक ने थाना क्षेत्र के सेवतरी स्थित 22वीं वाहिनी एसएसबी कैंप को लेकर सोशल मीडिया पर एक बेहद आपत्तिजनक और सनसनीखेज वीडियो सोशल मीडिया में वॉयरल किया था। वॉयरल वीडियो में युवक को संवेदनशील सुरक्षा प्रतिष्ठान को वीडियो एडिटिंग के जरिए बम से उड़ाते हुए दिखाया गया है।

पत्नी ने छिपाई नौकरी, इलाहाबाद हाई कोर्ट में भरण पोषण का आदेश रद, 20 हजार रुपये की मांग की थी

बागपत की फैमिली कोर्ट ने पांच हजार रुपये मासिक देने का आदेश दिया था
नोएडा में सेल्स मैनेजर है पत्नी, लगभग 40 हजार रुपये प्रतिमाह कमाती है

संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने नौकरी की जानकारी छिपाने वाली पत्नी के लिए पांच हजार रुपये प्रतिमाह भरण–पोषण देने संबंधी फैमिली कोर्ट बागपत का आदेश रद कर दिया है। न्यायमूर्ति अब्दुल शाहिद की एकलपीठ ने मनोज कुमार राना की पुनरीक्षण याचिका स्वीकार करते हुए यह निर्णय सुनाया है।

फैमिली कोर्ट के आदेश के खिलाफ याचिका दायर की

याची का विवाह 15 मार्च, 2021 को प्रीति पुंडीर से हुआ था। प्रीति ने सीआरपीसी की धारा 125 के तहत 20 हजार रुपये प्रतिमाह भरण–पोषण की मांग की थी। बागपत की फैमिली कोर्ट ने छह सितंबर 2024 को पांच हजार रुपये प्रतिमाह गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था। पति ने इसके खिलाफ हाई कोर्ट में पुनरीक्षण याचिका दायर की।

पत्नी सेल्स मैनेजर, 40 हजार प्रतिमाह कमाती है

पति ने बताया कि पत्नी नोएडा स्थित निम्बस एडकाम प्राइवेट लिमिटेड में सेल्स मैनेजर है और लगभग 40 हजार रुपये प्रतिमाह कमाती है। पत्नी स्वतंत्र रहना चाहती है और उसके तथा उसके भाई के खिलाफ नोएडा में झूठी एफआईआर दर्ज कराई। याची पति ने बताया कि कोविड लॉक डाउन में उसकी नौकरी छूट गई थी और वह बेरोजगार है।

दहेज उत्पीड़न का पत्नी ने लगाया आरोप

पत्नी ने दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाया। उसने कहा कि विवाह में लगभग 10 लाख रुपये खर्च हुए, लेकिन ससुराल पक्ष कम दहेज से नाखुश था। कोर्ट ने पत्नी के बयानों और दस्तावेजों में कई विरोधाभास पाए। ट्रायल कोर्ट में पत्नी ने कहा कि उसने शादी के 5–6 महीने बाद नौकरी छोड़ी, जबकि उसके रिलीविंग पत्र के अनुसार उसने 30 जून, 2022 तक काम किया।

कोर्ट ने कहा– पत्नी भरण–पोषण की हकदार नहीं

कोर्ट ने कहा कि न्यायालय में आने वाले पक्षकार को स्वच्छ हृदय और साफ उद्देश्य के साथ आना चाहिए। कोर्ट ने निष्कर्ष निकाला कि पत्नी ने अपनी नौकरी और आय का महत्वपूर्ण तथ्य छिपाया। इसी आधार पर कोर्ट ने माना कि वह पति से किसी भरण–पोषण की हकदार नहीं है।



लखनऊ में बाढ़ की मार

रिवरफ्रंट डूबा, इकाना के सामने भरा पानी, हर तरफ पानी ही पानी





जहां दो दिन पहले था क्रिकेट का रोमांच, अब दिख रहा गोमती का उफान, पैदल निकलना भी दूभर

लखनऊ,संवाददाता। लखनऊ में गोमती नदी का जलस्तर बढ़ने से हर तरफ पानी ही पानी नजर आ रहा है। गोमती उफान पर है। वहीं, इकाना स्टेडियम के बाहर पानी भरा है। गोमती रिवरफ्रंट पानी में डूबा हुआ है। मंजर कितनी तेजी से बदल सकता है, इसकी बानगी बुधवार शाम गोमतीनगर विस्तार में देखने को मिली। जिस इकाना स्टेडियम में मंगलवार रात भारत–वेस्टइंडीज का रोमांच देखने के लिए करीब 48 हजार क्रिकेट प्रेमी जुटे थे, ठीक 24 घंटे बाद उसी इलाके की सड़कें पानी में डूब गईं। गोमती नदी के बढ़े जलस्तर का असर रात होते–होते इतना बढ़ गया कि प्लासियो मॉल के सामने की दोनों लेन पूरी तरह जलमग्न हो गईं।

मुख्य सड़क दरिया जैसी नजर आने लगी।शाम आठ बजे तक सड़क पर घुटनों तक पानी भर गया। वाहनों की रफ्तार थम गई। सुबह सूखी सड़क से ड्यूटी पर पहुंचीं प्लासियो मॉल की महिला कर्मचारियों और आसपास के दफ्तरों में काम करने वालों के लिए घर लौटना मुश्किल हो गया। पैदल निकलने की जगह नहीं बची और सार्वजनिक परिवहन भी नदारद रहा।पानी की तेज धार के बीच एक ऑटो भी बंद हो गया। लोगों ने धक्का देकर उसे किसी तरह सुरक्षित बाहर निकाला। दोपहर तक सड़क के किनारे तक सीमित पानी रात होते–होते प्लासियो चौराहे तक पहुंच गया।

गोमतीनगर विस्तार में नदी के पानी का प्रवेश रोका

गोमती नदी का जलस्तर बढ़ने से गोमतीनगर विस्तार के सेक्टर–7 और इकाना स्टेडियम के आसपास पहुंचे पानी को रिहायशी क्षेत्र में बढ़ने से रोकने के लिए एलडीए ने इकाना स्टेडियम के पीछे बोल्डर और मिट्टी से अस्थायी बांध बनाया है।

इसके जरिये करीब ढाई घंटे में पानी का नया प्रवाह रोक दिया गया। इसके बाद क्षेत्र में जलस्तर करीब छह इंच कम हुआ। एहतियात के तौर पर सेक्टर–7 के अन्य संवेदनशील स्थानों पर भी मिट्टी डालकर अवरोध बनाए गए हैं। एलडीए की टीमें क्षेत्र में 24 घंटे निगरानी कर रही हैं।

20 कॉलोनियों में बिजली आपूर्ति ठप

बाढ़ के चलते फैजुल्लागंज की करीब 20 कॉलोनियों में बिजली आपूर्ति बंद है। इनमें पवन विहार, मामा कॉलोनी, कैलाश विहार, गोमती विहार, दुर्गापुरी, भार्गव कॉलोनी, अक्षय विहार, चौबे डेयरी, शिव शक्ति नगर, शिव विहार, पतंग मैदान, श्रीराम विहार, रामनगर, विष्णु विहार, जैन कॉलोनी, गणेश विहार, नंदा फार्म, संतकबीर नगर और कृष्ण लोक कॉलोनी शामिल हैं।

वार्ड दो और चार में भी बाढ़ प्रभावित इलाकों के ट्रांसफार्मरों की बिजली बंद की गई है।

गणेश विहार कॉलोनी में उतरा करंट, हादसा बचा, आननफानन में हटाई गई लाइन

फैजुल्लागंज के बाढ़ग्रस्त गणेश विहार कॉलोनी में बुधवार को करंट उतरने से बड़ा हादसा बच गया। करंट की चपेट में आने से एक राहगीर को झटका लगा। शिकायत मिलने के बाद बिजली विभाग ने ट्रांसफार्मर से 11 हजार वोल्ट की लाइन पूरी तरह हटा दी। उपकेंद्र कर्मियों के मुताबिक, बाढ़ का पानी ट्रांसफार्मर की पेटी तक पहुंचने के कारण करंट उतरने का खतरा था।

इसी को देखते हुए डियो फ्यूज हटाकर ट्रांसफार्मर की बिजली पहले ही बंद कर दी गई थी। इसके बावजूद लाइन में बैंक फीड के कारण करंट आ आया। राहत शिविर में इसकी शिकायत पहुंचने के बाद विभागीय अधिकारियों को सूचना दी गई। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के एमडी और नगर आयुक्त तक भी सूचना पहुंची, जिसके बाद लाइन हटाई गई। अधिशासी अभियंता पंकज गुप्ता ने बताया कि ट्रांसफार्मर की पेटी के आसपास का पानी हटने के बाद ही बिजली आपूर्ति बहाल की जाएगी।

आईआईआईटी में घुसा बाढ़ का पानी, परीक्षाएं स्थगित

आईआईआईटी परिसर में भी गोमती का पानी घुस गया है। इस कारण संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियां अगले आदेश तक बंद कर दी गई हैं। बुधवार को होने वाली एमटेक परीक्षाएं भी स्थगित कर दी गईं। छात्रों की सुरक्षा को देखते हुए हॉस्टल खाली कराकर छात्राओं को कैंसर अस्पताल और छात्रों को गोल्फ सिटी स्थित हॉस्टल में भेजा गया। स्थिति का जायजा लेने जिलाधिकारी विशाख जी और एसडीएम मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने परिसर का निरीक्षण कर राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी ली और छात्रों की सुरक्षा को लेकर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। निचले इलाके में स्थित परिसर में पानी भरने से छात्रों को परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है। संस्थान के सहायक कुलसचिव विवेकानंद सिन्हा ने बताया कि बाढ़ की स्थिति को देखते हुए परीक्षाएं अगले आदेश तक स्थगित की गई हैं। सुरक्षा के मद्देनजर हॉस्टल की बिजली आपूर्ति भी बंद कर दी गई है।

महाकुंभ की डाक्यूमेंट्री के नाम पर सात करोड़ से अधिक का गबन मुख्य आरोपी मुंबई से गिरफ्तार

लखनऊ,संवाददाता। महाकुंभ की डॉक्यूमेंट्री के नाम पर सात करोड़ से अधिक के गबन मामले में मुख्य आरोपी को मुंबई से गिरफ्तार किया गया है। वह घटना के बाद से फरार चल रहा था।आगे पढ़ें विस्तार से... महाकुंभ–2025 पर डॉक्यूमेंट्री बनाने के नाम पर करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में ईओडब्ल्यू ने मुख्य आरोपी इंद्रजीत नट्टोजी को मुंबई से गिरफ्तार किया है।

आरोपी को छह अक्तूबर को मुंबई के अंधेरी वेस्ट स्थित वरसोवा थाना क्षेत्र से पकड़ा गया। वह घटना के बाद से फरार चल रहा था।

ईओडब्ल्यू के मुताबिक, वादिनी पुनीत सिक्का, निदेशक मैसर्स आईक्यू ने डॉक्यूमेंट्री निर्माण के लिए दो जनवरी 2025 को मैसर्स आईएनके पिक्चर्स और एमकोड वेंचर्स एलएलपी के साथ अनुबंध किया था। परियोजना के लिए जीएसटी समेत 5.60 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया गया था। आरोप है कि आरोपियों ने कूटरचित बिल, फर्जी अनुबंध और भ्रामक दस्तावेजों के जरिये रकम का दुरुपयोग किया और डॉक्यूमेंट्री भी तैयार नहीं की। जांच में परियोजना में कर्मचारियों के भोजन और कैटरिंग के नाम पर करीब 75 लाख रुपये के फर्जी हस्तलिखित बिल लगाकर भुगतान लेने की बात सामने आई। काम पूरा नहीं करने की धमकी देकर करीब 20 लाख रुपये की जबरन वसूली और शूटिंग व स्टूडियो किराये के नाम पर अतिरिक्त रकम मांगने के आरोप भी हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामविलास पासवान को अर्पित की श्रद्धांजलि

लखनऊ ,संवाददाता। एनडीए के सहयोगी दल और केंद्र में सरकार के साथ शामिल लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने लखनऊ में अपने पिता पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान की पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की। इस कार्यक्रम में शामिल होकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा के गठबंधन धर्म को निभाया।

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान की पार्टी को उत्तर प्रदेश में भी विस्तार देने की योजना है। इसी क्रम में लखनऊ में राम विलास पासवान की पुण्यतिथि पर पार्टी का स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। चिराग पासवान ने 2027 के यूपी विधानसभा चुनावों को लेकर पार्टी की तैयारियां भी शुरू कर दी हैं।

सदैव गरीबों के हित लिए काम किया

रामविलास पासवान की पुण्य तिथि पर आयोजित की श्रद्धांजलि सभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनको नमन किया और भारतीय राजनीति में उनके योगदान को काफी सराहा। उन्होंने लोक जनशक्ति पार्टी के संस्थापक पद्म भूषण स्व. रामविलास पासवान की छठी पुण्यतिथि पर कहा कि रामविलास पासवान सरल इंसान थे। उनके सपनों को पुत्र चिराग पासवान पूरा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राम विलास जी वंचित लोगों की मदद करते थे और उन्होंने सदैव गरीबों के हित लिए काम किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि रामविलास पासवान ने भारत रत्नश बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी के सपनों का भारत बनाने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया। रामविलास जी की स्मृतियों को नमन।राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री, श्पद्म भूषणश रामविलास पासवान की पुण्यतिथि पर लखनऊ में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए।

लखनऊ के दयाल बाग के एन इको रिसॉर्ट में श्रद्धांजलि सभा में चिराग पासवान ने कहा कि उनके पिता इतनी जल्दी चले जाएंगे उन्हें कभी उम्मीद नहीं थी, लेकिन आज उनकी छठी पुण्यतिथि है। चिराग ने बताया कि पार्टी के लोगों की मांग पर और उत्तर प्रदेश कैडर की मांग पर यूपी में उनकी पुण्यतिथि मनाई जा रही है।

उत्तर प्रदेश से बेहद ज्यादा था लगाव

चिराग ने कहा कि रामविलास पासवान को उत्तर प्रदेश से बेहद ज्यादा लगाव था और उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश में लंबे समय से अपनी उपस्थिति को बढ़ाने के लिए काम कर रही है और संगठन के लोगों की भारी मांग पर यह कार्यक्रम यूपी में आयोजित किया जा रहा है। चिराग ने कहा कि उनके पिता के दलगत राजनीति से ऊपर उठ करके सभी दलों में उनके संबंध थे।



इटली के ट्यूरिन में आयोजित वेव बाय वेंटो 2026 में फरारी 12 सिलिंड्री मैन्युअल ने अपनी दमदार मौजूदगी से सबका ध्यान खींचा. इटली की इस शानदार कार की खूबसूरत डिजाइन और स्पोर्टी अंदाज ने ऑटोमोबाइल प्रेमियों को खासा आकर्षित किया।

चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहा सिपाही श्याम सुंदर विभागीय जांच में दोषी पाया गया

गोरखपुर,संवाददाता। आरोप है कि सिपाही श्याम सुंदर संतकबीरनगर की धनघटा विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ने की तैयारी में जुटा था। इस दौरान सपा के कार्यक्रमों में मंच साझा करने और सोशल मीडिया पर पार्टी के समर्थन में पोस्ट करने की तस्वीरें और वीडियो भी सामने आए थे। डायल–112 में तैनात रहे सिपाही श्याम सुंदर चौहान के खिलाफ विभागीय जांच पूरी हो गई है। एसपी क्राइम अयोध्या प्रसाद सिंह की जांच में उसे दोषी पाया गया है। इसके बाद पुलिस विभाग ने बर्खास्तगी की कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। एसएसपी ने बर्खास्तगी से जुड़ी फाइल की जांच एसपी ट्रैफिक अमित कुमार श्रीवास्तव को सौंपी है। जांच पूरी होने के बाद रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी।

श्याम सुंदर पर लंबे समय तक ड्यूटी से गैरहाजिर रहने और राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय रहने के आरोप थे। आरोप है कि वह संतकबीरनगर की धनघटा विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ने की तैयारी में जुटा था। इस दौरान सपा के कार्यक्रमों में मंच साझा करने और सोशल मीडिया पर पार्टी के समर्थन में पोस्ट करने की तस्वीरें और वीडियो भी सामने आए थे। मामला अधिकारियों के संज्ञान में आने के बाद करीब तीन महीने पहले उसे निलंबित कर दिया गया था।

निलंबन के बाद उसे पुलिस लाइंस में आमद करनी थी, लेकिन आरोप है कि उसने वहां भी आमद नहीं की। विभागीय जांच में गैरहाजिरी और राजनीतिक गतिविधियों से जुड़े तथ्यों को आधार बनाया गया। श्याम सुंदर चौहान 1994 बैच का सिपाही है और मूल रूप से संतकबीरनगर के महुली थाना क्षेत्र के नैना झाला गांव का रहने वाला है। वर्ष 2023 में कुशीनगर से तबादले के बाद उसकी तैनाती गोरखपुर में डायल–112 में हुई थी। विभागीय कार्रवाई पूरी होने के बाद अब बर्खास्तगी की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है।

पहले पीडीए यानी प्रदेश डुबाओ अलायंस था

सीएम योगी बोले- अब एनडीए यानी नौकरी देंगे अलायंस की सरकार है

लखनऊ,संवददाता। यूपी पुलिस में चयनित 470 खिलाड़ियों को सीएम योगी ने नियुक्ति पत्र सौंपे। नियुक्ति पत्र पाकर उन सभी के चेहरे खिल उठे। इस मौके पर सीएम ने कहा कि पहले पीडीए यानी प्रदेश डुबाओ अलायंस की सरकार था। अब एनडीए यानी नौकरी देंगे अलायंस की सरकार है। उत्तर प्रदेश पुलिस में कुशल खिलाड़ी कोटे के तहत चयनित 470 खेल प्रतिभाओं को गुरुवार को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपा। साथ ही नियुक्ति पाने वाले सभी खिलाड़ियों को उनके स्वर्णिम भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम लोक भवन सभागार में हुआ। कुशल खिलाड़ी कोटे के तहत चयनित अभ्यर्थियों में 43 उप निरीक्षक (नागरिक पुलिस), 295 आरक्षी (नागरिक पुलिस) और 132 आरक्षी (पीएसी) शामिल हैं। अब ये सभी खिलाड़ी पुलिस विभाग में अपनी सेवाएं देंगे।

आपकी मेहनत का फल है यह नौकरी

इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि आप सभी लोगों की अब जर्सी से वर्दी की यात्रा शुरू हुई है। उन्होंने चयनित खिलाड़ियों से पूछा क्या किसी ने आपसे कोई पैसा मांगा है, क्या किसी से सिफारिश करने की जरूरत पड़ी? सब लोग ध्यान रखिए ये सरकार का कोई अहसान नहीं है, बल्कि आपकी मेहनत का फल है। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले पुलिस में खिलाड़ियों के



सीधी भर्ती का कोई रास्ता नहीं था। हमने इसे शुरू कराया। 470 खिलाड़ियों को आज नियुक्ति पत्र दे रहे हैं। 500 से ज्यादा के चयन की प्रक्रिया चल रही है। ओलंपिक, कॉमनवेल्थ या एशियाई खेलों में जिन्होंने मेडल जीता है, हमने उन्हें सीधी भर्ती से यूपी पुलिस में डिप्टी एसपी का पद दिया है। ऐसे सात खिलाड़ियों को हम नौकरी दे चुके हैं। 2017 से पहले यह संभव नहीं था।

64 हजार हेक्टेयर लैंड को माफिया के कब्जे से खाली कराई

सीएम ने आगे कहा कि यूपी के अंदर एक समय था जब सूर्योदय से लेकर सूर्यास्त तक ही जिंदगी होती थी। इससे पहले और बाद में घर से नहीं निकल सकते थे। 64 हजार हेक्टेयर लैंड को हम लोगों ने माफिया के कब्जे से खाली कराई। हम खेल ग्राउंड, मिनी स्टेडियम और हर मंडल में एक स्पोर्ट्स कॉलेज देने जा रहे हैं। आज यूपी में अपनी स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी होने जा रही है। हम प्रधानमंत्री की उस बात से सहमत हैं। जिसमें उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ हमारा कोई ब्रांड एंबेसडर बन सकता है तो खिलाड़ी बन सकता है। जो खेलेगा वो खिलेगा। सीएम ने डीजीपी से कहा कि इन सब खिलाड़ियों को एक गांव गोद दे दीजिए। वहां पर ये लोग खेलकूद के कार्यक्रम कराएं। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि आप लोग अपनी प्रैक्टिस को कभी छोड़ना मत। आपकी असली प्रतिभा पसीने में है। यह अभी शुरुआत है। आगे प्रमोशन के बहुत विकल्प हैं। उन्होंने युवाओं को नसीहत दी कि ज्यादातर युवा रील में व्यस्त हैं। रील में लाइक मिलते हैं, लेकिन खेल में लाइफ मिलती है। चुनना आपको है।

योगी ने बताया पीडीए और एनडीए का अर्थ

उन्होंने पीडीए को निशाने पर लिया। कहा कि पहले प्रदेश डुबाओ एलायंस था। वही लोग नौकरियों में डाका डालते थे। उनके राज में सैफई और सिफारिश था। आज एनडीए की सरकार है, यानी नौकरी देंगे एलायंस की सरकार है। अब हमने ऐसी व्यवस्था बना दी है, कि कोई आपकी नौकरी, आपके प्रमोशन को टाल नहीं सकता। यदि किसी ने कोशिश भी की तो फिर हम उसे टाल देंगे। सीएम ने कहा कि पहले की सरकार ने 10 लाख गुंडे खड़े किए थे। हमने 10 लाख युवाओं को नौकरी दी है। पहले हर दिन हत्या जैसी खबरें आती थीं। रिवर फ्रंट घोटाले की खबर आती थी। लेकिन, आज खबर आती है कि मेरठ में खुलेगी स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी। जब सपा युवाओं की नियुक्तियों की बात करती है तो लगता है पानी में तैरने वाला मगरमच्छ शांति का संदेश दे रहा हो। ऐसे शांति का संदेश देने वाले मगरमच्छों से सावधान रहिए।

'नई खेल संस्कृति' को बताया बदलाव की तस्वीर

इससे पहले सीएम योगी ने एक्स पर पोस्ट करके कहा कि मैदान में मेधा, उपलब्धि पर सम्मान और प्रतिभा को राष्ट्र सेवा का अवसर देना ही 'नए उत्तर प्रदेश' की नई खेल संस्कृति है। इसी संस्कृति को आगे बढ़ाते हुए पुलिस विभाग में कुशल खिलाड़ी कोटे के तहत चयनित 470 खिलाड़ियों को नियुक्ति पत्र दिए गए। सीएम ने कहा कि खिलाड़ियों के लिए खुल रहे सरकारी सेवा के ये द्वार उस बदलाव की तस्वीर हैं, जो प्रदेश ने वर्ष 2017 के बाद देखा है। उनके मुताबिक इससे पहले खेल कोटा उपेक्षित था और भर्तियों में प्रतिभा से अधिक सिफारिश और पहुंच की चर्चा होती थी।

विभिन्न विभागों में 534 से अधिक खिलाड़ियों की सीधी भर्ती

सीएम ने दावा किया कि डबल इंजन सरकार ने खेल प्रतिभाओं को रोजगार और सुरक्षित भविष्य से जोड़ने का काम किया है। इसी का परिणाम है कि विभिन्न विभागों में अब तक 534 से अधिक खिलाड़ियों की सीधी भर्ती हो चुकी है।

मेकअप आर्टिस्ट से मायानगरी का सफर...

अब 114 साल पुरानी रामलीला में पहली बार माता सीता का किरदार निभाएंगी अन्नू

संवाद सहयोगी, दाऊ दयाल खन्ना नगर (मुरादाबाद)। दाऊ दयाल खन्ना नगर की 114 वर्ष पुरानी रामलीला में इस बार मुंबई से आईं सीरियल कलाकार अन्नू माता सीता की भूमिका निभाएंगी। मूल रूप से नई दिल्ली की रहने वाली अन्नू ने दिल्ली से बीसीए की पढ़ाई की है। वह करीब सात वर्ष पहले अभिनय की दुनिया में नाम कमाने नहीं, बल्कि मेकअप आर्टिस्ट के रूप में अपनी पहचान बनाने मुंबई पहुंची थीं।



हालांकि हुनर ने उन्हें मेकअप की दुनिया से अभिनय के मंच तक पहुंचा दिया। अन्नू ने बताया कि मुंबई में मेकअप आर्टिस्ट के रूप में उन्हें अभिनेता आयुष्मान खुराना की फिल्म 'शुभ मंगल सावधान' में काम करने का अवसर मिला। इसके अलावा टीवी धारावाहिक 'शक्ति' में भी उन्होंने कलाकारों का मेकअप किया। उन्होंने बताया कि मुंबई में कलाकारों का मेकअप करने के दौरान एक धारावाहिक के सेट पर निर्देशक राजीव ने उनकी प्रतिभा को पहचाना और उन्हें अभिनय के लिए प्रेरित किया। इसके बाद अन्नू ने 'लाल इश्क' धारावाहिक से अभिनय की शुरुआत की। इसमें उन्होंने भोजपुरी अभिनेत्री संभावना सेठ के साथ काम किया। उनके अभिनय को सराहना मिली और यहीं से अभिनय में आगे बढ़ने का आत्मविश्वास भी मिला। हाल ही में वह वेब सीरीज में भी काम कर चुकीं हैं। अन्नू ने बताया कि उनका धार्मिक आयोजनों से जुड़ाव टीवी शो 'इंडिया गॉट टैलेंट' के दौरान श्री राम सिंह कुंती कला संगम के निदेशक राहुल कुमार से मुलाकात के बाद हुआ। राहुल ने उनकी प्रतिभा और अनुभव को देखते हुए उन्हें धार्मिक आयोजनों से जोड़ा।

गोरखपुर में कांग्रेस का काला दिवस प्रदर्शन

कांग्रेस ने गोरखपुर में काला दिवस मनाकर विरोध प्रदर्शन किया।
मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने और नेताओं की हिरासत का विरोध।
सपा नेताओं की अनुपस्थिति और कांग्रेसियों की कम भागीदारी दिखी।

संवाददाता, गोरखपुर। मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने और दिल्ली में विपक्षी दलों के नेताओं को जंतर–मंतर पर जाने से रोकने का कांग्रेसी दमदारी से विरोध नहीं कर सके। अखिलेश यादव के हिरासत में लिए जाने के और गठबंधन की संभावनों के बाद भी सपा नेता कांग्रेसियों के साथ विरोध में नहीं खड़े हुए। कांग्रेसी भी बमुश्किल 50 ही आए और ज्ञापन लिए जाने का इंतजार करते रहे। यह संख्या तब है जब जिला के साथ ही महानगर कांग्रेस कमेटी ने भी धरना में हिस्सा लिया।

यदि सिर्फ महानगर के ही सभी वार्डों के अध्यक्ष आ जाते तो संख्या 80 से ज्यादा होती क्योंकि महानगर में वार्ड की संख्या 80 है।

राहुल गांधी व प्रियंका गांधी वाड्रा को हिरासत में लिए जाने और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने जाने की मांग को लेकर कांग्रेस नेतृत्व ने गुरुवार को काला दिवस मनाने के लिए सभी को निर्देश दिए थे। दोपहर तकरीबन 12 बजे कांग्रेसी नगर निगम स्थित रानी लक्ष्मीबाई पार्क में पहुंचे और धरना देना शुरू किया। जिलाध्यक्ष राजेश कुमार तिवारी ने कहा कि भाजपा सरकार ने लोकतंत्र की हत्या कर



दी है। प्रधानमंत्री को भी इस्तीफा देना चाहिए। कहा कि दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ विपक्ष के सांसदों द्वारा जंतर–मंतर पर प्रदर्शन के लिए निकले मार्च को प्रशासन द्वारा बलपूर्वक रोका गया और सभी से अभद्रता की गई। इसके विरोध में कांग्रेस लोकतंत्र के लिए काला दिवस के रूप में इसे मना रही है।

इनको बुलाया गया था

सभी वरिष्ठ कांग्रेसी, एआइसीसी सदस्य, पीसीसी सदस्य, पूर्व सांसद, विधायक, सांसद प्रत्याशी, विधानसभा प्रत्याशी, जिला महानगर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, पूर्व जिला, महानगर अध्यक्ष पदाधिकारी सभी फ्रन्टल / विभाग / प्रकोष्ठ के अध्यक्ष पदाधिकारी महिला कांग्रेस आदि को धरना देने के लिए बुलाया गया था लेकिन महिला संगठन से इक्का–दुक्का नेताओं को छोड़कर कोई नहीं आया।

गोरखपुर आयुष विश्वविद्यालय में मोनोपोली दवाओं का खेल खत्म

भटहट, (गोरखपुर),संवाददाता। चिकित्सकों संग साठगांठ कर मोनोपोली की दवाएं बेचकर रोगियों की जेब पर डाका डाल रहे धंधेबाज बुधवार को सकते में रहे। आलम यह रहा कि सुबह ही आयुष विश्वविद्यालय के निकट स्थित मेडिकल स्टोरों पर कंपनियों के एमआर पहुंचे और ऐसी दवाएं वापस ले गए। वहीं, आयुष विश्वविद्यालय की ओपीडी के पर्चों से भी मोनोपोली की औषधियां गायब दिखीं। चिकित्सकों ने वही औषधियां पर्चे पर लिखीं जो विश्वविद्यालय की फार्मेसी में निश्शुल्क वितरण के लिए उपलब्ध हैं। बता दें कि आयुष ही नहीं, एलोपैथ चिकित्सकों के बीच भी मोनोपोली दवाओं का जाल फैला है।

कमीशन के दम पर मोनोपोली दवाओं के इस काले कारोबार पर उपचार में मोनोपोली, रोगियों को लूट रही गोली शीर्षक से छपी खबर ने तगड़ा प्रहार किया। इसका असर बुधवार सुबह ही महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय में देखने को मिला।

खबर प्रकाशित होने के बाद विश्वविद्यालय का माहौल बदला–बदला नजर आया। जहां एक तरफ चिकित्सक मोनोपोली दवाओं की जगह शास्त्रीय योग वाली औषधियों के नाम पर्चे पर लिखते नजर आए, वहीं दूसरी ओर तीन गुणा दाम बढ़ाने वाली कंपनी में हड़कंप मच गया।

गोरखपुर–फैजाबाद MLC चुनाव

एक सीट पर 17 दावेदार पति–पत्नी आमने–सामने

संवाददाता, गोरखपुर। गोरखपुर–फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में एक रोचक संयोग सामने आया है। मऊ निवासी संगीता सिंह और उनके पति अजीत कुमार सिंह ने एक–दूसरे के खिलाफ नामांकन किया है। बुधवार को जांच में दोनों के पर्चे वैध पाए गए। अब नौ अक्टूबर को नाम वापसी के दिन पता चलेगा कि दोनों में से कोई अपना नाम वापस लेता है या दोनों चुनाव मैदान में बने रहते हैं। यदि दोनों में से किसी एक ने नाम वापस नहीं लिया तो शिक्षक एमएलसी का यह चुनाव पति–पत्नी के बीच मुकाबले के कारण भी खास हो जाएगा।29 सितंबर से छह अक्टूबर तक चली नामांकन प्रक्रिया में कुल 19 प्रत्याशियों ने 38 सेट में पर्चे दाखिल किए थे। बुधवार को नामांकन पत्रों की जांच में दो प्रत्याशियों मनोज कुमार और चंद्रशेखर के पर्चे खारिज कर दिए गए।

रिटर्निंग आफिसर एवं कमिश्नर इन्द्र विक्रम सिंह ने बताया कि दोनों प्रत्याशियों ने मतदाता सूची से का प्रमाणित प्रपत्र जमा नहीं किया था।

नामांकन के दिन ही उन्हें नोटिस देकर बुधवार सुबह 11 बजे पर्चों की जांच शुरू होने से पहले प्रपत्र उपलब्ध कराने का अवसर दिया गया था, लेकिन तय समय तक दोनों संबंधित प्रपत्र नहीं दे सके। इसके चलते उनके नामांकन निरस्त कर दिए गए। नामांकन पत्रों की जांच के दौरान प्रेक्षक अभय



भी मौजूद रहे। अब चुनावी मैदान में 17 प्रत्याशी रह गए हैं। इनमें भाजपा के ध्रुव कुमार त्रिपाठी और सपा के डा. संजयन त्रिपाठी के अलावा अजय सिंह, डा. राकेश सिंह, राजीव यादव, सत्यपाल सिंह, डा. शरदेंदु कुमार त्रिपाठी, निरंकार राम त्रिपाठी, अजीत कुमार सिंह, संगीता सिंह, देव भास्कर तिवारी, राजेश पांडेय, शिव श्याम यादव, दिनेश कुमार मिश्र, पंकज कुमार, राकेश कुमार तिवारी और रामप्रताप राम शामिल हैं।

नामांकन प्रक्रिया शुरू होने से पहले 21 दावेदारों ने 50 पर्चे खरीदे थे, लेकिन 19 ने ही नामांकन किया।

अब नौ अक्टूबर को दोपहर तीन बजे तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। इसके बाद वैध प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी होगी। निर्वाचन क्षेत्र के 17 जिलों में करीब 54 हजार शिक्षक मतदाता हैं। मतदान के लिए 200 बूथ बनाए गए हैं। गोरखपुर जिले में 18 बूथों पर 7241 शिक्षक अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। सभी जिलों में आदर्श आचार संहिता लागू है।

कृति सेनन-न्यूज चैनल पर मेरी चोली की चर्चा

विज्ञापन विवाद पर अभिनेत्री ने तोड़ी चुप्पी

एंटरटेनमेंट डेस्क। करीना कपूर का शो व्हाट वीमेन वांट 6 जल्द शुरू होने वाला है, जिसमें अभिनेत्री कृति सेनन अपने राखी विवाद पर खुलकर बात करती नजर आएंगी। बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान द्वारा होस्ट किया जाने वाला बेहद लोकप्रिय टॉक शो और पॉडकास्ट व्हाट वीमेन वांट का सीजन 6 जल्द शुरू होने वाला है। इस सीजन में अली फजल, नेहा कक्कड़, महीप कपूर, भावना पांडे, मिकी कॉन्ट्रैक्टर, पंकज त्रिपाठी, कृति सेनन और मीरा राजपूत समेत कई सितारे नजर आएंगे। अब हाल ही में शो का ट्रेलर जारी किया गया, जिसमें देखने को मिला कि कृति अभिनेत्री के साथ रक्षाबंधन विज्ञापन विवाद पर खुलकर बात करते हुए नजर आती हैं।

क्या बोलीं कृति सेनन?

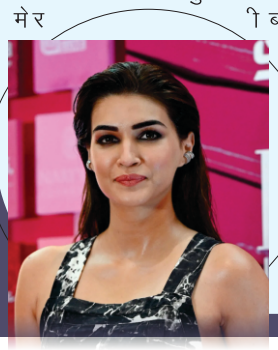
करीना से बात करते हुए कृति ने कहा, मुझे विश्वास ही नहीं हुआ कि मेरी चोली प्राइम टाइम न्यूज में छह लोगों की पैनल चर्चा का मुद्दा बन गई थी।श इस पर करीना ने कहा, श्मुझे पता है।श शो के आखिर में जब कृति से पूछा गया कि महिलाएं वास्तव में क्या चाहती हैं, तो उन्होंने जवाब दिया, श्जज न किया जाए और लोग अपने काम से काम रखें।

क्या था पूरा मामला?

दरअसल, यह विवाद तब शुरू हुआ था, जब ज्वेलरी ब्रांड जिवा ने रक्षाबंधन पर कृति के साथ एक विज्ञापन जारी किया था। इस विज्ञापन में अभिनेत्री अपने भाई के साथ–साथ अपने पालतू कुत्ते को भी राखी बांधते हुए नजर आई थीं। इस दौरान उन्होंने इंडो–वेस्टर्न आउटफिट पहना था। विज्ञापन में कृति ऑफ–व्हाइट ब्रालेट स्टाइल ब्लाउज, केप और ड्रेप्ड स्कर्ट पहने नजर आई थीं। विज्ञापन के जरिए रक्षाबंधन जैसे पारंपरिक त्योहार को एक मॉडर्न अंदाज में दिखाने की कोशिश की गई थी, लेकिन कुछ लोगों को यह पसंद नहीं आया। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने सवाल उठाया कि इस त्योहार के लिए ऐसा पहनावा सही है या नहीं। सिर्फ इतना ही नहीं, विज्ञापन में कुत्ते को भी रक्षाबंधन सेलिब्रेशन का हिस्सा बनाया गया था। एक सीन में कृति कुत्ते को भी राखी बांधती नजर आईं। यह बात भी कुछ लोगों को पसंद नहीं आई। फिर विवाद बढ़ने के बाद विज्ञापन को हटा दिया गया।

कृति ने रखी थी अपनी बात

बाद में कृति ने इंस्टाग्राम पर इस विवाद को लेकर अपनी बात रखी थी। उन्होंने कहा था कि त्योहारों की असली भावना कपड़ों में नहीं, बल्कि उनसे जुड़े रिश्तों और परंपराओं में होती है। उन्होंने लिखा था, त्योहारों की असली भावना आपके कपड़ों में नहीं, बल्कि उन भावनाओं और परंपराओं के अर्थ में होती है, जिन्हें आप अपने दिल में रखते हैं। रक्षाबंधन सुरक्षा के रिश्ते का प्रतीक है। कृति ने आगे लिखा, मेरी बहन और मैं एक–दूसरे को राखी बांधते हैं। हम जानते हैं कि हम एक–दूसरे की उतनी ही रक्षा कर सकते हैं, जितनी एक भाई कर सकता है। हम एक–दूसरे की सेहत, खुशी और लंबी उम्र के लिए प्रार्थना करते हैं। और हमारे लिए यह प्रार्थना और वादा हमारे कुत्तों तक भी जाता है, क्योंकि आखिर वे भी हमारे परिवार का हिस्सा हैं।



परिवार से लेकर संपत्ति तक क्या पीछे छोड़ गए नाना





45 मिनट तक मौत से लड़े

पणजी। अभिनेता नाना पाटेकर का आज सुबह गोवा स्थित उनके घर पर 5:20 बजे गंभीर कार्डियक अरेस्ट के बाद निधन हो गया। उन्हें बचाने के लिए 45 मिनट तक सीपीआर दिया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। मामले में एमएलसी दर्ज किया गया है और पोस्टमार्टम कराया जाएगा। नाना पाटेकर हिंदी और मराठी सिनेमा के उन अभिनेताओं में शुमार रहे जिन्होंने गंभीर, दमदार और अलग तरह के किरदारों से अपनी पहचान बनाई। 'उन्हें तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और पद्मश्री समेत कई बड़े सम्मान मिले हैं।

दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का गुरुवार सुबह 5रू20 बजे गोवा स्थित उनके घर पर गंभीर कार्डियक अरेस्ट के बाद निधन हो गया। उन्हें बचाने के लिए 45 मिनट तक लगातार सीपीआर दिया गया, लेकिन उन्हें पुनर्जीवित नहीं किया जा सका। गोवा के मणिपाल अस्पताल के ऑन्कोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. शेखर सालकर ने बताया कि नाना पाटेकर को उनके घर पर गंभीर कार्डियक अरेस्ट आया था। लगातार 45 मिनट तक सीपीआर देने के बावजूद उनकी हालत नहीं संभली और उनकी मौत हो गई। डॉ. सालकर के मुताबिक, मामले में मेडिको–लीगल केस (एमएलसी) दर्ज किया गया है। अब नाना पाटेकर का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

नाना ने दोस्त को किया था मैसेज

डॉक्टर के मुताबिक, रात करीब 2:30 बजे नाना पाटेकर ने अपने एक दोस्त को मैसेज कर तबीयत ठीक न होने की जानकारी दी थी। रात होने के कारण दोस्त वह मैसेज तुरंत देख नहीं पाया, लेकिन बाद में उसने फोन किया और करीब 4 बजे उनके घर पहुंचा। वे पसीने से तरबतर और अचेत अवस्था में थे, जिसके बाद उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया।

नाना पाटेकर कौन थे और क्यों खास था उनका फिल्मी सफर?

विश्वनाथ पाटेकर, जिन्हें दुनिया नाना पाटेकर के नाम से जानती है, हिंदी और मराठी सिनेमा के चर्चित अभिनेताओं में शामिल थे। उनका जन्म 1 जनवरी 1951 को महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के मुरुड–जंजीरा में हुआ था। वह सिर्फ अभिनेता ही नहीं, बल्कि फिल्म निर्माता, निर्देशक और लेखक भी रहे। उन्हें भारतीय सिनेमा के बेहतरीन और प्रभावशाली अभिनेताओं में गिना जाता है।

अभिनय की शुरुआत कैसे हुई?

नाना पाटेकर ने 1978 में आई फिल्म 'गमन' से हिंदी सिनेमा में कदम रखा। शुरुआती दौर में उन्होंने मराठी और हिंदी फिल्मों में काम किया। 1988 में मीरा नायर की फिल्म 'सलाम बॉम्बे!' में उनके काम को काफी सराहा गया। इसके बाद 1989 की 'परिंदा' ने उनके करियर को एक बड़ा मोड़ दिया। इस फिल्म में गैंगस्टर की भूमिका के लिए उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और फिल्मफेयर पुरस्कार मिला।

कौन–सी फिल्में बनीं पहचान?

नाना पाटेकर ने अपने करियर में कई अलग–अलग तरह के किरदार निभाए। 'अंकुश', 'प्रतिघात', 'प्रहार', 'तिरंगा', 'क्रांतिवीर', 'अग्निसाक्षी', 'खामोशीरू द म्यूजिकल', 'अब तक छप्पन', 'अपहरण', 'राजनीति', 'वेलकम' और 'वेलकम बैक' उनकी चर्चित फिल्मों में शामिल हैं। गंभीर और दमदार भूमिकाओं के साथ–साथ उन्होंने कॉमेडी और व्यावसायिक फिल्मों में भी अपनी अलग पहचान बनाई।

'क्रांतिवीर' ने दिलाया राष्ट्रीय पुरस्कार

1994 में आई 'क्रांतिवीर' नाना पाटेकर के करियर की सबसे अहम फिल्मों में गिनी जाती है। इस फिल्म में उनके अभिनय के लिए उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इससे पहले 'परिंदा' और बाद में 'अग्निसाक्षी' के लिए भी उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिल चुका था। कुल मिलाकर उन्हें तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, चार फिल्मफेयर पुरस्कार और दो फिल्मफेयर मराठी पुरस्कार मिले हैं। 2013 में उन्हें पद्मश्री से भी सम्मानित किया गया।

नाना पाटेकर की नेटवर्थ–मुंबई के फ्लैट से 27 एकड़ में फैले फार्महाउस तक



एंटरटेनमेंट डेस्क। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का 75 साल की उम्र में निधन हो गया है। आइए जानते हैं कि एक्टर के परिवार में कौन–कौन हैं और उनकी नेट वर्थ कितनी थी। हिंदी और मराठी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर अब हमारे बीच नहीं हैं। अपनी दमदार आवाज, बेबाक अंदाज और हर किरदार में जान डाल देने वाली अदाकारी से करीब चार दशक तक दर्शकों के दिलों पर राज करने वाले नाना पाटेकर का 75 साल की उम्र में निधन हो गया। अभिनेता ने 8 अक्टूबर 2026 की सुबह गोवा स्थित अपने घर में आखिरी सांस ली। शुरुआती जानकारी के मुताबिक उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया था।

कैसे हुआ नाना पाटेकर का निधन?

नाना पाटेकर को तड़के तबीयत बिगड़ने के बाद उनके गोवा स्थित घर में बेहोशी की हालत में पाया गया। उन्हें मणिपाल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने करीब 45 मिनट तक सीपीआर देकर उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन उन्हें होश में नहीं लाया जा सका। उन्हें सुबह करीब 5रू20 बजे मृत घोषित किया गया।

डॉक्टरों ने मौत की वजह कार्डियक अरेस्ट बताई है। हालांकि, मौत की विस्तृत परिस्थितियों की पुष्टि पोस्टमार्टम के बाद होने की बात कही गई है। नाना के बेटे मल्हार पाटेकर ने भी उनके निधन की पुष्टि की है। परिवार उस समय पुणे में था और खबर मिलने के बाद गोवा के लिए रवाना हुआ।

नाना पाटेकर के परिवार में कौन–कौन है?

नाना पाटेकर ने 1978 में नीलकांति पाटेकर से शादी की थी। दोनों की मुलाकात मराठी थिएटर के दिनों में हुई थी। नीलकांति खुद भी थिएटर और फिल्मों से जुड़ी रही हैं और उन्होंने मराठी सिनेमा में अभिनय किया है। उन्हें महाराष्ट्र सरकार के सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। नाना और नीलकांति के दो बेटे थे। उनके बड़े बेटे दुर्वासा पाटेकर का बचपन में ही करीब ढाई साल की उम्र में निधन हो गया था। इसके बाद उनके छोटे बेटे मल्हार पाटेकर हैं।

पत्नी नीलकांति से अलग रहते थे नाना?

नाना और नीलकांति शादीशुदा होने के बावजूद लंबे समय से अलग–अलग रह रहे थे। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, दोनों करीब कई वर्षों से अलग रह रहे थे, लेकिन उनका कानूनी तलाक नहीं हुआ था।

बिग बास 20–

चीजें संभालने की कोशिश

एंटरटेनमेंट डेस्क। 'बिग बॉस 20' के घर में इन दिनों स्काउट ओपी और लव गिल के आकर्षण को लेकर फैंस के बीच काफी चर्चाएं चल रही हैं। स्काउट की गर्लफ्रेंड काशवी हीरानंदानी ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपना पक्ष रखा है। बिग बॉस में लगभग हर सीजन में सह–प्रतिभागियों का कपल बनकर घर से निकलना कोई नई बात नहीं है। इन दिनों 'बिग बॉस 20' प्रतियोगी स्काउट ओपी और लव गिल के लव एंगल को लेकर भी दर्शकों के बीच खूब चर्चा हो रही है। इसी बीच स्काउट की गर्लफ्रेंड काशवी हीरानंदानी ने भी इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।



काशवी ने स्काउट पर क्या कहा

स्काउट की गर्लफ्रेंड काशवी हीरानंदानी ने अपने हालिया लाइवस्ट्रीम के दौरान इस मुद्दे पर बात की। उन्होंने कहा कि उन्होंने देखा है कि लोग घर के अंदर स्काउट के व्यवहार पर उनकी प्रतिक्रिया पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'बहुत से लोग घर के अंदर स्काउटओपी के व्यवहार पर मेरी प्रतिक्रिया के बारे में सोच रहे हैं। सबसे पहले, मैं कहना चाहती हूं कि मैं ठीक हूं और बाहर की स्थिति को संभालने की कोशिश कर रही हूं। मैं सचमुच स्काउट के लिए प्रार्थना करती हूं।'

घर के अंदर और बाहर में फर्क

आगे काशवी ने कहा, 'घर के अंदर और बाहर में फर्क हैं, वे दो अलग–अलग बातें हैं। एक है स्काउट के साथ मेरा व्यक्तिगत संबंध, और दूसरा है स्काउट को एक व्यक्ति के रूप में जानना। चाहे कुछ भी हो रहा हो, मैं चाहती हूं कि स्काउट सफल हो क्योंकि उसने आज इस मुकाम तक पहुंचने के लिए बहुत मेहनत की है।'

लगातार फ्लाप होने के बाद संजू सैमसन की धमाकेदार वापसी, 82 रन ठोक आलोचकों को दिया जवाब





स्पोर्ट्स डेस्क। भारत और वेस्टइंडीज के बीच दूसरे टी20 मुकाबले में संजू सैमसन ने 41 गेंदों में 82 रन की तूफानी पारी खेली। उन्होंने नौ चौके और चार छक्के लगाए। सैमसन ने कहा कि लगातार कम स्कोर के बावजूद वह अपने आक्रामक अंदाज में बदलाव नहीं करना चाहते, क्योंकि टीम को अच्छी शुरुआत देना उनकी जिम्मेदारी है। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में तूफानी पारी खेलकर आलोचकों को जवाब दिया। रांची के जेएससीए अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में शुक्रवार को सैमसन ने 41 गेंदों में 82 रन बनाए, जिससे भारत ने पांच विकेट पर 249 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। लगातार कम स्कोर के बाद शानदार वापसी करने वाले सैमसन ने कहा कि भारतीय सलामी बल्लेबाज के तौर पर उनकी जिम्मेदारी टीम को अच्छी शुरुआत दिलाना है और इसके लिए अपने खेलने के अंदाज में बदलाव करने की जरूरत नहीं है। सैमसन ने अपनी पारी में नौ चौके और चार छक्के लगाए। पारी के बाद उन्होंने कहा कि पेशेवर क्रिकेटर के तौर पर वह अपनी तैयारी, अभ्यास और प्रशिक्षण पर पूरा ध्यान देते हैं, लेकिन टी20 क्रिकेट में नतीजे हमेशा खिलाड़ी के नियंत्रण में नहीं होते।

आगे बढ़ने का एक ही रास्ता है

सैमसन ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी की रणनीति पर बात करते हुए कहा, भारत के लिए खेलने वाले पेशेवर क्रिकेटर के तौर पर आप अपनी तैयारी, अभ्यास और प्रशिक्षण का पूरा ध्यान रखते हैं। आप वह सब कुछ करते हैं, जो आपके हाथ में है। लेकिन इस प्रारूप में नतीजे हमेशा आपके हाथ में नहीं होते। आगे बढ़ने का एक ही रास्ता है। उन्होंने आगे कहा कि तीन पारियों में रन नहीं बनने पर अपनी बल्लेबाजी का तरीका बदलकर पारी को धीमा करने के बारे में नहीं सोचा जा सकता। टीम की जरूरत सबसे पहले है और बतौर सलामी बल्लेबाज उनका काम देश को शानदार शुरुआत दिलाना है।

सैमसन ने कहा, ₹मेरा काम भारत को अच्छी ुरुआत देना है और मैं यही करने की कोशिश करता हूं। जब मैं आउट होता हूं तो उसकी जिम्मेदारी भी लेता हूं। रन नहीं बनाने के लिए मैं किसी दूसरे को दोष नहीं देता। यह मेरी जिम्मेदारी है और मैं हर बार मैदान पर उतरकर इसे निभाने की कोशिश करता हूं।

ईशान, श्रेयस और तिलक ने भी मचाया धमाल

सैमसन की विस्फोटक पारी ने भारत को बड़े स्कोर तक पहुंचाने की मजबूत नींव रखी। ईशान किशन ने 22 गेंदों में 43 रन बनाए, लेकिन रोस्टन चेज की गेंद पर बोल्ड हो गए। चेज ने शिवम दुबे को भी सात रन के निजी स्कोर पर आउट किया। इसके बाद श्रेयस अय्यर ने 18 गेंदों में 40 रन की तेजतर्रार पारी खेली। वहीं, तिलक वर्मा ने महज 18 गेंदों में नाबाद 44 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों की आक्रामक बल्लेबाजी ने मध्यक्रम में लगे झटकों से भारत को उबारा और टीम का स्कोर पांच विकेट पर 249 रन तक पहुंचा दिया। सैमसन को शमर स्प्रिंगर ने आउट किया। डीप में खड़े कामिल पूरन ने उनका कैच पकड़ा।

पिच को समझकर की आक्रामक बल्लेबाजी

सैमसन ने बताया कि शुरुआत में पिच पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं था। गेंद कभी तेजी से बल्ले पर आ रही थी तो कभी नीचे रह रही थी। उन्होंने कहा कि अलग–अलग मैदानों पर खेलने की चुनौती यही होती है कि परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि पिछले दिन अभ्यास के दौरान उन्हें अंदाजा हो गया था कि रांची की पिच पर गेंद नीचे रह सकती है और तेजी से बल्ले तक आ सकती है। इसके बावजूद उन्होंने सकारात्मक सोच के साथ बल्लेबाजी जारी रखी और उनके शॉट सफल रहे। अपनी रणनीति के बारे में सैमसन ने कहा कि वह पहले से शॉट तय करने के बजाय गेंद को देखकर प्रतिक्रिया देना पसंद करते हैं। अगर गेंद उनके खेलने के क्षेत्र में होती है तो वह उस पर प्रहार करते हैं। वह गेंदबाज की लाइन और लेंथ के हिसाब से अपने स्वाभाविक खेल पर भरोसा रखते हैं।

वेस्टइंडीज ने भारत को छह विकेट से हराया

शाई होप का नाबाद शतक, सीरीज 1–1 की बराबरी पर

स्पोर्ट्स डेस्क। शाई होप की नाबाद शतकीय और शेरफेन रदरफोर्ड की अर्धशतकीय पारी के दम पर वेस्टइंडीज ने दूसरे टी20 मुकाबले में भारत को छह विकेट से हरा दिया। रांची में भारत ने संजू सैमसन के अर्धशतक की बदौलत पांच विकेट पर 249 रन बनाए।

जवाब में वेस्टइंडीज ने 18.3 ओवर में चार विकेट खोकर 252 रन बनाते हुए लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ मेहमान टीम ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में 1–1 से बराबरी कर ली।

वेस्टइंडीज ने भारत को हराया

शाई होप और शेरफेन रदरफोर्ड की तूफानी पारियों के दम पर वेस्टइंडीज ने भारत को छह विकेट से हरा दिया। शुक्रवार को रांची के जेएससीए स्टेडियम पर खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने संजू सैमसन की अर्धशतकीय पारी की मदद से 20 ओवर में पांच विकेट पर 249 रन बनाए। जवाब में मेहमानों ने शाई होप की नाबाद शतकीय और शेरफेन रदरफोर्ड की अर्धशतकीय पारी की मदद से 18.3 ओवर में चार विकेट पर 252 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। इसी के साथ पांच मैचों की टी20 सीरीज में वेस्टइंडीज ने भारत से 1–1 की बराबरी कर ली।



दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

UPHIN/2023/90814

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

शिवम को श्रेयस से पहले भेजने पर उठे सवाल

समर्थन में सामने आए कोच गंभीर



स्पोर्ट्स डेस्क। शिवम दुबे को श्रेयस अय्यर के स्थान पर बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर मुख्य कोच गौतम गंभीर की आलोचना की जा रही है। हालांकि, कोच ने अपने इस फैसले का बचाव किया है। साथ ही उन्होंने बल्ले और गेंद के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा की वकालत की है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला रांची में शुक्रवार को खेला गया। भारतीय बल्लेबाजी के दौरान श्रेयस अय्यर से पहले शिवम दुबे को भेजा गया। इस फैसले के लिए गौतम गंभीर को आलोचना का सामना करना पड़ा, लेकिन मैच के बाद भारतीय कोच ने दुबे को अय्यर से पहले भेजने के फैसले का बचाव किया। भारत को इस मैच में हार का सामना करना पड़ा।

शिवम दुबे बल्लेबाजी के लिए चौथे नंबर पर आए थे। उन्हें बल्लेबाजी के लिए आने को तैयार कप्तान श्रेयस अय्यर की जगह भेजा गया था। दुबे जब बल्लेबाजी के लिए आए तो स्कोर 11.1 ओवर में 139 रन था। दुबे उम्मीद के अनुरूप बल्लेबाजी नहीं कर सके और 10 गेंदों पर सात रन बनाकर आउट हो गए। इसका असर टीम के कुल स्कोर पर भी पड़ा। दुबे की जगह अगर श्रेयस अय्यर को भेजा गया होता, तो शायद परिणाम कुछ और होता। पहले मैच में शतक लगाने वाले अय्यर ने बाद में आकर 18 गेंदों पर 40 रन की पारी खेली।

वनडे विव कप के लिए कितना तैयार भारत



विश्व कप से पहले भारत को सुलझानी होगी चयन की गुत्थी



टीम प्रबंधन और चयनकर्ता के सामने कई चुनौतियां, चोट ने बढ़ाई चिंता

स्पोर्ट्स डेस्क। वनडे विश्व कप 2027 को होने में अब एक साल का समय शेष है, लेकिन सभी टीमें इसकी तैयारियों में जुट गई हैं। भारतीय टीम खिताब की प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगी, लेकिन उसके सामने कई ऐसे सवाल हैं जिसका जवाब मिलना अभी बाकी है। वनडे विश्व कप 2027 का कार्यक्रम घोषित हो चुका है और इसके साथ ही इस वैश्विक टूर्नामेंट का काउंटडाउन भी शुरू हो गया है। दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया और जिम्बाब्वे की संयुक्त मेजबानी में अगले साल यह विश्व कप खेला जाना है। भारतीय टीम अपने अभियान का आगाज सात अक्तूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करेगी। हालांकि, टीम मैनेजमेंट और चयनकर्ताओं के सामने भारतीय टीम को लेकर कई बड़े सवाल हैं, जिनका जवाब और समाधान वक्त रहते खोजना है।

विश्व कप में भारत का कार्यक्रम

भारतीय टीम वनडे विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत सात अक्तूबर को गत चौंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करेगी। ये मुकाबला केप टाउन में खेला जाएगा। इसके बाद भारत का सामना चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से 10 अक्तूबर को जोहानिसबर्ग में होगा। फिर भारतीय टीम 14 अक्तूबर को अफगानिस्तान, 17 अक्तूबर को क्वालिफायर–ए टीम और ग्रुप चरण के अंतिम मैच में 24 अक्तूबर को सह मेजबान जिम्बाब्वे का सामना करेगी।

तैयार नहीं बैकअप ओपनर

वनडे विश्व कप 2027 में शुभमन गिल और रोहित शर्मा पारी का आगाज करेंगे यह बात तो अब लगभग तय नजर आ रही है, लेकिन अगर इन दोनों बल्लेबाजों में से कोई एक चोटिल हो जाता है, तो भारत ने अब तक बैकअप ओपनर तैयार नहीं किए हैं। यशस्वी जायसवाल को हर बार वनडे टीम में चुना जाता है, लेकिन वह बेंच पर ही बैठे रह जाते हैं।